

**जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र / जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण,  
उत्तरकाशी ।**

मासिक आख्या:- माह नवम्बर, 2023

संख्या- मैमो-तेरह-आ.प्र./मासिक आख्या/2021

दिनांक - 05 दिसम्बर,2023

दिनांक 01.11.2023 को शासन को कारण क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों व अन्य क्षति के सापेक्ष राज्य आपदा मोचन निधि से सहायता प्राप्त किये जाने हेतु Post Disaster Needs Assessment (PDNA) हेतु विवरण उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में बैठक आहूत कर विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।



जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा दिनांक 01.11.2023 को पर्यटन विभाग द्वारा मनेरा में आयोजित 07 दिवासीय एडवेंचर फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षार्थियों को आपदा प्रबन्धन सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।



जनपद में तैनात प्रशिक्षू राजस्व उप निरीक्षकों को आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित खोज-बचाव, उपकरणों एवं आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों के आंकलन एवं आपातकालीन परिचालन केन्द्र/आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के कार्यों आदि की जानकारी सहित पृथक-पृथक दिवसों में प्रदान की गयी।



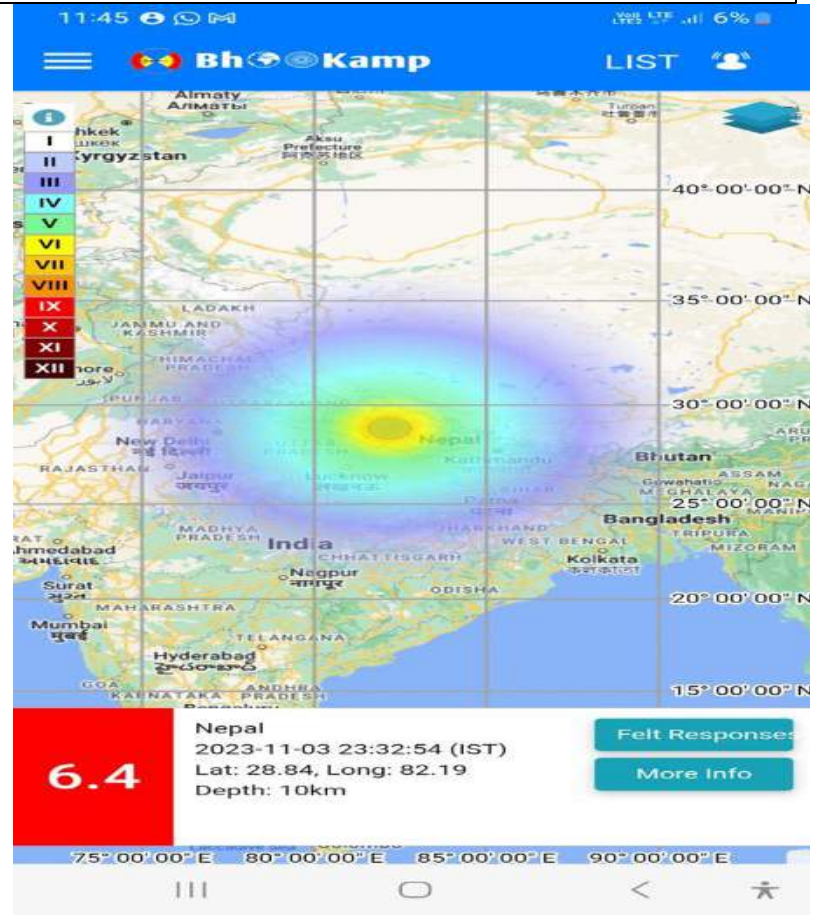
दिनांक 03.11.2023 को शासन द्वारा ग्राम मस्ताडी के भू-गर्भीय सर्वेक्षण हेतु तैनात वैज्ञानिक टीम के साथ ग्राम का सर्वेक्षण कार्य हेतु समन्वय कर कार्यवाही की गयी।



दिनांक 04.11.2023 को समय रात्रि- 23:32:54 बजे जनपद मुख्यालय के आस-पास भूकम्प के झटके महसूस किये गये। जनपद के समस्त तहसीलदार/थाना/पुलिस चौकियों/राजस्व उप निरीक्षक से भूकम्प से क्षति की सूचना प्राप्त की गयी। समस्त थाना/तहसीलान्तर्गत भूकम्प से किसी प्रकार के क्षति की सूचना प्राप्त नहीं हुयी। तहसील भटवाडी में अवस्थित मनेरी/जोशियाडा बाँध से भूकम्प से क्षति की सूचना प्राप्त की गयी। उक्त बाँधों में भूकम्प से किसी प्रकार की क्षति की सूचना प्राप्त नहीं हुयी। इस प्रकार जनपद में भूकंप से किसी प्रकार की क्षति नही होने के सम्बन्ध मे आख्या शासन को प्रेषित की गयी।

**भारतीय मौसम विभाग (IMD) नई दिल्ली से प्राप्त सूचना के अनुसार भूकम्प का विवरण :-**

- भूकम्प का परिमाण- 6.4 (रिक्टर पैमाने पर)
- अक्षांश/Latitude-  $28.84^{\circ}$  N
- देशान्तर/Longitude -  $82.19^{\circ}$  E
- समय- रात्रि- 23:32:54
- भूकंप का केन्द्र- नेपाल।



दिनांक 05.11.2023 गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग समय सांय 07:45 बजे एक स्कूटी वाहन जो स्थान मातली के पास अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुआ जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा सम्बन्धितों को सूचना से अवगत कराया गया। उक्त वाहन मे 02 लोग सवार थे जो गम्भीर घायल हुये जिन्हें 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय उपचार हेतु लाया गया प्राथमिक उपचार के पश्चात हायर सेन्टर देहरादून रैफर किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक समन्वय किया गया।



जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा मा0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार जनपद उत्तरकाशी में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित व्यक्तियों को विधिक सहायता/पुनर्वास एवं राहत कार्यों के रेख-देख हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के पराविधिक कार्यकर्ता (पी0एल0वी0) पैनल अधिवक्तागण, मीडिएटर आदि को आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित प्रशिक्षण राजकीय आर्दश कीर्ति इण्टर कॉलेज उत्तरकाशी में दिनांक 06.11.2023 को दिया गया। जिसमें विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य/पर्यटन विभाग के प्रशिक्षणार्थी/एन0एस0एस0/अन्य स्थानीय लोगों एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।





जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा शासन के निर्देशानुसार जनपद अन्तर्गत आपदा प्रबन्धन सम्बन्धी पूर्व तैयारी, त्वरित राहत-बचाव कार्य सम्बन्धी जानकारी/प्रशिक्षण-मॉक अभ्यास/जानजागरूता कार्यक्रम संचालित किये जाने के क्रम में प्रशिक्षण कलेण्डर के अनुसार सम्बन्धित विद्यालयों के कार्मिकों/छात्र-छात्राओं को निम्नानुसार प्रशिक्षण दिये गया।

क्र.सं.	विद्यालय का नाम	प्रशिक्षण का दिनांक
1	रा0हाई0 स्कूल मल्ला	03.11.2023
2	रा0हाई0 स्कूल रैथल	04.11.2023
3	रा0का0 हाई0 स्कूल भटवाडी	07.11.2023
4	रा0इ0का0 साल्ड	10.11.2023





उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के द्वारा निर्गत जनपद आपदा प्रबन्धन द्वारा सम्बन्धित विभागों से समन्वय कर मानसून अवधि 2023 में घटित आपदाओं से हुई क्षति का Post Disaster Needs Assessment (PDNA) "तैयार किये जाने के सम्बन्ध में जनपदों में अभिमुखीकरण हेतु दिनांक 09 नवम्बर, 2023 को राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली के विशेषज्ञों के द्वारा ऑनलाईन प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु समन्वय किया गया।

दिनांक 10.11.2023 को गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के स्थान हिमकिश्चन एकेडमी, मातली के पास लगभग रात्रि 8:15 बजे एक बुलेरो वाहन व एक दुपहिया वाहन की टक्कर से दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण बाईक चलाक गम्भीर घायल हुआ जिसे 108 के माध्यम से जिला चिकित्सालय उपचार हेतु लाया गया चिकित्सक द्वारा उक्त व्यक्ति को मृत घोषित किया गया। इस सम्बन्ध में समस्त सम्बन्धितों से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही की गयी।

दिनांक 10.11.2023 को जनपद के ऊर्चोई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फवारी हुयी जनपद के गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम में हल्की बर्फवारी हुयी। जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा सम्बन्धित पुलिस/खोज-बचाव दलों एवं आवश्यक सेवाओं के विभागों सतर्क किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही सहित यात्रियों की सुविधा हेतु अलाव आदि की व्यवस्था किये जाने हेतु समन्वय किया गया।





## चारधाम यात्रा

श्री गंगोत्री एवं श्री यमुनोत्री धाम में यात्रियों की संख्या में वृद्धि के दृष्टिगत जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा तैनात अधिकारियों को आवश्यक सुविधाओं के दृष्टिगत निरन्तर समन्वय किया गया। मानसून सीजन के बाद गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रियों के आवागमन में अब उत्तरोत्तर वृद्धि हुयी, जिसे देखते हुए जिलाधिकारी महोदय द्वारा यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण व यात्रियों की सुरक्षा के विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश दिये गये। वाहन दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग को वाहनों की निरन्तर चौकिंग करने के साथ ही सड़कों के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में सूचना बोर्ड लगाने व पुलिसकर्मियों की तैनाती किए जाने के निर्देश जारी किए है।

### यात्रा कन्ट्रोल रूम (जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र)

जनपद अन्तर्गत चारधाम यात्रा के दृष्टिगत जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा सम्पूर्ण चारधाम यात्रा के दौरान यात्रा कन्ट्रोल रूम के रूप में कार्यशील रहा। यात्रा कन्ट्रोल रूम द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों, तैनात नोडल/सैक्टर अधिकारियों से समन्वय कर श्री गंगोत्री एवं श्री यमुनोत्री धाम एवं प्रमुख पड़वों में स्वास्थ्य सुविधा, पयेजल, विद्युत शौचालय, स्वच्छता एवं दूरसंचार, खाद्यान्न पदार्थों के दर नियंत्रण/मजदूर दण्डी-कण्डी, खोड़-खच्चर आदि के नियमित 24x7 घटें निगरान की गयी तथा समय-समय पर इस सम्बन्धित में जिलाधिकारी एवं सम्बन्धित अधिकारी तथा शासन को सूचना प्रेषित की गयी। विभिन्न यात्रा पड़व पर आवश्यक सुविधाओं के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों को पंजिका में दर्ज कर सम्बन्धित अधिकारियों को सूचित कर शिकायत का नितस्ताण करवाया गया। गंगोत्री एवं यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग को सुचारू रखे जाने हेतु पर्याप्त मशीनरी/मानव संसाधन की उपलब्धता की निगरानी के सम्बन्धित में आवश्यक कार्यवाही की गयी। चारधाम यात्रा सम्बन्धी दैनिक सूचना को संकलित कर शासन को दैनिक सूचना/बुलेटिन जारी किया गया। आपदा प्रबन्धन के दृष्टिगत विभिन्न सुविधाओं/तैनात टीम आदि के GIS मैप भी तैयार किये गये।







**यात्रा कन्ट्रोल रूम  
(जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र),  
उत्तरकाशी।**

Phone: + 91 - 1374 - 222722, 222126, 1077 (Toll free), Mobile: + 917500337269,  
7252887587, 7310913129  
Mail id: ddmauttarkashi@gmail.com



**श्री यमुनोत्री एवं श्री गंगोत्री धाम यात्रा दैनिक बुलेटिन**

बुलेटिन संख्या-188

दिनांक-13.11.2023 समय-सायं 08:30 बजे।

**यात्रियों की संख्या**

धाम का नाम	दैनिक यात्रियों की संख्या (दिनांक 13.11.2023) समय सायं 08:00 बजे तक				क्रमिक यात्रियों की संख्या			
	पुरुष	महिला	बच्चे	योग	पुरुष	महिला	बच्चे	योग
श्री गंगोत्री धाम	212	106	32	350	532929	346981	24959	904869
श्री यमुनोत्री धाम	55	45	12	112	402667	311062	21311	735040
योग-	267	151	44	462	935596	658043	46270	1639909

**वाहनों का विवरण।**

धाम का नाम	दैनिक वाहनों की संख्या (दिनांक- 13.11.2023) समय सायं 08:00 बजे तक				क्रमिक वाहनों की संख्या			
	बड़े वाहन	छोटे वाहन	दोपहिया वाहन	योग	बड़े वाहन	छोटे वाहन	दोपहिया वाहन	योग
श्री गंगोत्री धाम	00	78	02	80	13122	74844	8865	96844
श्री यमुनोत्री धाम	00	15	06	21	10599	60241	5487	76327
योग-	00	93	08	101	23721	135085	14352	173171

**गंगोत्री से गौमुख जाने वाले यात्रियों का विवरण**

दिनांक	भारतीय		विदेशी		गाइड/पोटर्स	कुल	क्रमिक योग (01 अप्रैल, 2023 से)
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला			
13.11.2023	00	00	00	00	00	00	12475

**जनपद में घटित घटनायें**

क्र.सं.	विवरण	दिनांक 13.11.2023 को घटित घटनायें	अब तक कुल संख्या	टिप्पणी
01	वाहन दुर्घटना	-	03	
	(क) घायल व्यक्तियों की संख्या	-	38	
	(ख) मृतक व्यक्तियों की संख्या	-	11	
	योग	-	घायल- 38 व मृतक-11	

**जनपद में वर्षा का विवरण (मिमी० में)**

दिनांक	जिला मुख्यालय	तहसील भटवाडी	तहसील दुन्डा	तहसील चिन्वालीसैंड	तहसील बडफोट	तहसील पुरैला	तहसील मीरी
12.11.2023 प्रातः 08:00 बजे से 13.11.2023 प्रातः 08:00 बजे तक।	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00

मीसम- वर्तमान समय में जनपद के जिला मुख्यालय व समस्त तहसील एवं श्री गंगोत्री धाम/श्री यमुनोत्री धाम में मीसम साफ है।

1/3

**सड़क मार्गों की स्थिति**

क्र.सं.	जनपद में स्थिति मार्गों का प्रकार	कुल मार्गों की संख्या	अवरुद्ध मार्गों की संख्या	अवरुद्ध मार्ग का विवरण
1	राष्ट्रीय राजमार्ग (NH)	03	-	-
2	राज्य मार्ग (SH)	09	-	-
3	मुख्य जिला मार्ग (MDR)	07	-	-
4	ग्रामीण मोटर मार्ग (VR)	299	01	नारदचट्टी-बनास मोटर मार्ग KM 02 में वाँसआउट से अवरुद्ध है।
5	अन्य (ODR)	07	-	-
	<b>कुल मार्गों की संख्या-</b>	<b>325</b>	<b>01</b>	सम्बन्धित विभाग द्वारा उक्त मार्ग का अवरुद्ध गठित कर स्वीकृति हेतु प्रेषित किया जा चुका है स्वीकृति मिलने के उपरान्त कार्य पूर्ण कर मार्ग को यथावत खोल दिया जायेगा।

**यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण**

धाम	दिनांक 13.11.2023 को		क्रमिक योग	
	कुल यात्रियों की संख्या जिनके स्वास्थ्य की स्क्रीनिंग की गयी	कुल यात्रियों की संख्या जिनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया	स्क्रीनिंग	स्वास्थ्य परीक्षण
श्री यमुनोत्री धाम यात्रा	37	04	390704	61257
श्री गंगोत्री धाम यात्रा	44	05	295613	45728
योग	81	09	647317	106985

**विद्युत/पेयजल/बाधित होने की अद्यतन सूचना**

**वर्ष 2023 में गंगोत्री/यमुनोत्री धाम में आये यात्रियों का विवरण**

यात्रा धाम	पुरुष	महिला	बच्चें	क्रमिक योग
गंगोत्री धाम	533106	347091	24977	905174
यमुनोत्री धाम	402796	311107	21341	735244

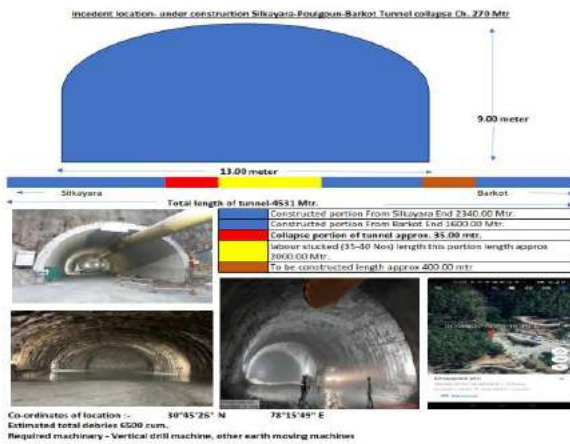


# सिलक्यारा टनल रेस्क्यू

दिनांक 12.11.2013

तहसील डुण्डा अन्तर्गत दिनांक 12.11.2023 को लगभग प्रातः 8:45 बजे एन0एच0आई0डी0सी0एल0 पूर्व महाप्रबन्धक, कर्नल दीपक पाटिल द्वारा दूरभाष पर आपदा प्रबन्धन अधिकारी को अवगत कराया गया। कि सिलक्यारा-पोलगांव निर्माणाधीन रोड टनल जो सिलक्यारा की ओर से भूस्खलन होने के कारण टनल अवरुद्ध हो गयी, जिसके अन्दर लगभग 35-40 मजदूर फंसे थे। उक्त सूचना के क्रम में आपदा प्रबन्धन अधिकारी/जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा तत्काल अपने व्यक्तिगत दूरभाष नम्बर से जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, डुण्डा एवं राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र को अवगत कराते हुये उक्त स्थल पर रेस्क्यू कार्य हेतु पुलिस/एन0डी0आर0एफ0/एस0डी0आर0एफ0/त्वरित कार्यवाही दल आदि दल सहित स्थानीय विभागीय अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को रवाना किया गया। स्थानीय पुलिस चौकी के पुलिस/एस0डी0आर0एफ0/अग्निशमन टीम प्रातः लगभग 10:28 बजे मौके पर पहुँचे। जनपद के कतिपय अधिकारी दीपावली अवकाश होने के कारण जनपद से बाहर थे तत्काल सभी अधिकारी छूट्टीयों रद्द कर सीधे मौके पर पहुँचे। आपदा प्रबन्धन अधिकारी द्वारा तत्काल आपातकालीन परिचालन केन्द्र को एक्टिव करते हुये मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आई0आर0एस0 के उपस्थित नोडल अधिकारियों बैठक कर अपर जिलाधिकारी को मौके पर भेजे जाने के निर्देश दिये गये। एन0एच0डी0सी0एल0 के जनपद में उपस्थित अधिकारियों से समन्वय कर उनकी तात्कालिक मांग के अनुसार अतिरिक्त मशनरी के सम्बन्ध में कार्यवाही की गयी।

जिलाधिकारी के निर्देशन में विभिन्न उपस्थित विषय विशेषज्ञों से विमर्श कर कमाण्डर सीमा सड़क संगठन, एन0एच0ए0आई0 के चीफ जनरल मनेजर, पुलिस अधीक्षक, कमान अधिकारी, 1442 बी0सी0सी0, सीमा सड़क संगठन एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के सहयोग से टनल के अन्दर आये मलवे को 02 जे0सी0बी0 एवं 01 पोकलेन मशीन से युद्ध स्तर पर हटाया गया। इसके साथ ही उपस्थित विशेषज्ञों के परामर्श से फंसे मजदूरों तक पहुँचने हेतु मलवा हटाकर सैटरिंग प्लेट आदि के माध्यम से सुरक्षित रास्ता (ESCAPE PASSAGE) तैयार किये जाने की कार्यवाही की गयी। टनल के ऊपरी भाग का विभिन्न खोज-बचाव दलों से सर्वेक्षण करवाया गया। सैटेलाइट फोन एवं प्रकाश व्यवस्था भेजी गयी है एवं ड्रोन कैमरा से सर्वेक्षण किया गया। मशीनरी को शीघ्र घटना स्थल पर पहुँचाये जाने हेतु यातायात नियंत्रण हेतु विभिन्न स्थानों पर पुलिस तैनात की गयी। आपदा प्रबन्धन प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा घटना के सम्बन्ध में दूरभाष पर सूचना प्राप्त कर प्राथमिक रूप से लाईन प्लान नक्शा तैयार कर घटना स्थल व नजदीकी चिन्हित स्थायी हैलीपैड/हवाई पट्टी (चिन्यालीसौड) के कॉर्डिनेट जारी किये गये।





घटना स्थल अक्षांश एवं देशान्तर (Lat Long)	N- 30° 45' 26." E- 78° 15' 49 "
चिन्हित हैलीपैड, चिन्यालीसौड	N- 30° 34' 44.44." E- 78° 19' 29.84 "

मलवे को सुरक्षित हटाने तथा भूस्खलन को रोकने के उद्देश्य से कार्यदायी संस्था की सॉटक्रीटिंग मशीन कार्यस्थल पर पहुंची। इसके साथ ही जल विद्युत निगम लखवाड, विकास नगर से ड्रिल रात्रि 9:00 बजे तक घटना स्थल पर पहुंचाया गया। टी0एच0डी0सी का कम्प्रेसर मौके पर पहुंचाया गया तथा ड्रिल मशीन एवं जल सस्थान, उत्तरकाशी से 01 वार्टिकल ड्रिल मशीन घटना स्थल पर पर पहुंचाया गया। एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के टनल के बाहर पोकलेण्ड-03 जेसीबी-02, ट्रक-06, हाईड्रॉ-01, लोडर-02 एवं टनल के अन्तर पोकलेण्ड-04, सॉट क्रीटिंग-03, बूमर-02, हाईड्रॉ-02, ट्रक-02 उपलब्ध थे। लोक निर्माण विभाग से 02 अतिरिक्त जे0सी0बी0 भेजी गयी।

श्री अमित मलिक परियोजना प्रबन्धक, एन0एच0आई0डी0सी0एल से दूरभाष पर वार्ता की गयी जिनके द्वारा अवगत कराया गया सिलक्यारा-पोलगांव बडकोट रोड टनल की कुल लम्बाई 4.5 किलोमीटर निर्माण की जानी प्रस्तावित है। जिसका सिलक्यारा की तरफ से लगभग 2.3 किलोमीटर भाग तथा पोलगांव बडकोट की तरफ से 1.7 किलोमीटर भाग निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है तथा बीच में लगभग 500 मीटर भाग में टनल निर्माण कार्य अवशेष है। दिनांक 12.11.2023 को प्रातः लगभग 5:30 बजे उक्त निर्माणाधीन रोड टनल के सिलक्यारा की तरफ से टनल के 270 मीटर भाग के पास लगभग 30 मीटर क्षेत्र में मलवा आने के कारण टनल के अन्दर 40 मजदूर फंसे थे। उक्त फंसे मजदूर/कार्मिकों में झारखण्ड के 15, उत्तराखण्ड के 02, हिमाचल के 01, उत्तरप्रदेश 08, बिहार के 04 पं० बंगाल के 03, असम के 02, एवं उड़ीसा के 05 मजदूर का होना बताया गया। फंसे मजदूरों की सूची प्रेषित की गयी।

उक्त स्थान पर अन्य अधिकारियों/कार्मिकों की शिफ्टवार तैनाती की गयी। जिला स्तरीय अधिकारियों के अवकाश निरस्त किये गये है तथा जनपद में उपस्थित होने के निर्देश दिये गये। जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरकाशी के माध्यम से भोजन/ठहरने आदि की व्यवस्था की गयी। उक्त के दृष्टिगत खोज-बचाव कार्यों, पुलिस/एन0डी0आर0एफ0/एस0डी0आर0एफ0/आई0टी0बी0पी0 12 वीं वाहिनी मातली/आई0टी0पी0पी0 35 वीं वाहिनी महिडाण्डा/सीमा सड़क संगठन/स्वास्थ्य विभाग/त्वरित कार्यवाही दल आदि दल राहत बचाव उपकरणों सहित कुल 160 राहत कर्मी तैनात रहें।

संचार व्यवस्था हेतु अस्थायी पुलिस रेडियों संचार कन्ट्रोल रूम बनाया गया तथा अस्थायी पुलिस चौकी बनायी गयी। स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया जिसमें 06 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी है तथा 108 एम्बुलेंस-05 एवं विभागीय अन्य एम्बुलेंस-05, चिकित्साधिकारी-एवं अन्य सहायक कर्मी तैनात रहें तथा फंसे हुये मजदूरों से चिकित्सक द्वारा वार्ता कर परामर्शानुसार आवश्यक दवाईयाँ दी गयी। लो0नि0वि0 के सहयोग से घटना स्थल से 05 किमी0 की दूरी पर स्थान स्यालना के पास अस्थायी हैलीपैड निर्माण की कार्यवाही प्रराम्भ की गयी इसके साथ ही चिन्यालीसौड व बडकोट स्थायी हैलीपैड/हवाई पट्टी भी राहत कार्यों हेतु एक्टिव/चिन्हित किया गया।

उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण निदेशक, उत्तराखण्ड भूस्खलन-न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र की अध्यक्षता में टनल में भूस्खलन के अध्ययन एवं कारणों व स्थिति के सम्बन्ध में परीक्षण हेतु एक 07 सदस्यीय तकनीकी टीम गठित की गयी।







**दिनांक 13.11.2023**

जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर एन0एच0ए0आई0, आर0बी0एन0एल0, एन0एच0सी0एल0, L&T, टी0एच0डी0सी0, बी0आर0ओ0 एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के सहयोग से टनल के अन्दर आये मलवे को मशीनरी से युद्ध स्तर पर हटाये जाने की कार्यवाही की गयी तथा भूस्लखन वाले भाग के पास सॉटक्रीटिंग का कार्य किया गया। इसके साथ ही उपस्थित विशेषज्ञों के परामर्श से फंसे मजदूरों तक पहुँचने हेतु मलवा हटाकर सेटरिंग प्लेट आदि के माध्यम से सुरक्षित रास्ता (ESCAPE PASSAGE) तैयार किये जाने की कार्यवाही की गयी। जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी सहित जनपद स्तरीय तैनात नोडल अधिकारी उपस्थित रहें।

सॉटक्रीटिंग मशीन एवं हरिद्वार से 900 मिमी व्यास एमएस स्टील पाइप की व्यवस्था कर घटना स्थल पहुँचाये गये। स्टील पाइप को सफलतापूर्वक लगवाये जाने एवं सहायता के लिए जल/निगम/सिंचाई विभाग की विशेषज्ञ टीम परियोजना स्थल पर पहुँची। श्रमिकों के साथ कम्युनिकेशन किया गया तथा अवगत कराया गया कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों/के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध थी, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे।

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा 24X7 की तर्ज पर घटना स्थल पर साईट कन्ट्रोल रूम, हैल्प डेस्क पर स्टैजिंग एरिया एक्टिवेट सामग्री सहित अधिकारियों/कार्मिकों की रोस्टवार तैनाती की गयी। टनल के अन्दर फंसे 40 मजदूरों के परिजनों के समन्वय एवं आवश्यक व्यवस्था हेतु हेल्पलाइन नम्बर जारी किये गये तथा विभिन्न विभागों आवश्यक सेवाओं के स्थापित किये जाने के निर्देश दिये गये।

क्र.सं.	कन्ट्रोल रूम	सम्पर्क नम्बर
1	जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी। (जिला मुख्यालय) साईट कन्ट्रोल रूम	01374-222722, 222126 मो0 नम्बर- 7500337269 6396014066 (सिलक्यारा)
2	पुलिस कन्ट्रोल रूम, उत्तरकाशी	7455991223 7818066867 (सिलक्यारा) (पुलिस वायरलेस कम्युनिकेशन सेट)

घटना स्थल पर रेस्क्यू हेतु आने वाले मशीनरी/अधिकारियों/विशेषज्ञों हेतु चिन्यालीसौड हावाईपट्टी, बडकोट हैलीपैड को चिन्हित किया एवं घटना स्थल स्यालना के पास हैलीपैड निर्माण कार्य पूर्ण करवाया गया। हैलीपैड में समस्त आवश्यक व्यवस्था भी की गयी।

घटना स्थल के नजदीक अस्थायी हैलीपैड स्यालना	N 30°42'46"	E 78°17'21"
बडकोट हैलीपैड	N 30° 48' 44"	E 78° 12' 12"

शासन एवं नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड से समन्वय कर हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु समन्वय किया किया गया।

मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार एवं सचिव महोदय आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्मित स्थायी हैलीपैड स्यालना से हैलीकॉप्टर के माध्यम से पहुँचकर घटना स्थल का भ्रमण करते हुये राहत-बचाव कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।







### :: हेल्पलाइन ::

जनपद उत्तरकाशी के तहसील डुण्डा अन्तर्गत दिनांक 12.11.2023 को एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के सिलक्यारा-पोलागाव निर्माणाधीन रोड टनल के सिलक्यारा की तरफ से टनल के 270 मीटर भाग के पास मलवा आने के कारण टनल के अन्दर फंसे 40 मजदूर से सम्बन्धित सूचना हेतु हेल्पलाइन नम्बर—

क्र.स.	कन्ट्रोल रूम	सम्पर्क नम्बर
1	जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी। (जिला मुख्यालय)	01374-222122, 222126 मो0 नम्बर— 7500337269
2	पुलिस कन्ट्रोल रूम, उत्तरकाशी	7455991223 7818066867 (सिलक्यारा)

**दिनांक 14.11.2023—**

जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर एन0एच0ए0आई0, आर0बी0एन0एल0, एन0एच0सी0एल0, L&T, टी0एच0डी0सी0, बी0आर0ओ0, सिंचाई विभाग के तकनीकी कार्मिकों एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के सहयोग से टनल के अन्दर ऑगर मशीन आपूर्ति कर ऑगर ड्रिलिंग मशीन के कार्य स्थल (Platform) का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया तथा ड्रिल मशीन के ड्रिलिंग के कार्य हेतु मशीन का अलाईमेंट/ड्रिलिंग की कार्यवाही की गयी। 900 एम0एम0 पाइप (प्रति पाइप—6 मीटर लम्बाई) 02 ट्रॉला में कुल 08 पाइप तथा 800 एम0एम0 पाइप (प्रति पाइप—6 मीटर लम्बाई) 01 ट्रक में कुल 05 पाइप जिनकी कुल लम्बाई—30 मीटर घटना स्थल पर पहुँचाये गये। मीडिया सेन्टर स्थापित किया गया।

इसके अतिरिक्त 01 अन्य ट्रक जिसमें 06 पाइप अतिरिक्त पहुँचाये गये। एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों/के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा टनल में भूस्खलन के कारणों के सर्वेक्षण/जांच हेतु गठित तकनीकी टीम तैनात किये गये जिनके द्वारा सर्वेक्षण किया गया। जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी सहित जनपद स्तरीय तैनात नोडल अधिकारी उपस्थित रहें।

आर0बी0एन0एल0 से शॉटक्रीटिंग, आर0ओ0सी0 मशीन तथा जल निगम से ऑगर मशीन उपलब्ध करायी गयी।







### दिनांक 15.11.2023—

एनएच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध थी, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। फंसे मजदूरों/कार्मिकों के रेस्क्यू हेतु एस्केप टनल निर्माण किये जाने के लिये ऑगर ड्रीलिंग मशीन के कार्य स्थल का निर्माण कर ऑगर मशीन से ड्रीलिंग कार्य प्रारम्भ किया गया। उक्त मशीन की ड्रीलिंग के दौरान मलवे में बोल्टर होने के कारण क्षमता अनुरूप कार्य नहीं कर पा रही थी। जिस कारण अमेरिकन उच्च क्षमता की ऑगर ड्रीलिंग मशीन को नई दिल्ली से नजदीकी वायु सेना बेस से सेना के C-17 के माध्यम से चिन्यालीसौड हवाई पट्टी तक पहुंचाये जाने की कार्यवाही की गयी। वहां से घटना स्थल हेतु मशीन वाहन के माध्यम से भेजी गयी। घटना स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गयी। चिन्यालीसौड हवाई पट्टी में उप जिलाधिकारी, डुण्डा/अधिकासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 चिन्यालीसौड एवं पुलिस/अग्निश्मन आदि दल की तैनाती की गयी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था की गयी। महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून/विशेषज्ञ टीम आवश्यक सहयोग हेतु घटना स्थल पर मौजूद रहें। एनएचआईडीसीएल के निदेशक (ए एंड एफ), निदेशक (टी), कार्यकारी निदेशक (पी) और आरवीएनएल, राइट्स के विशेषज्ञ, प्राधिकरण के इंजीनियर मेसर्स नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड बचाव अभियान की करीबी निगरानी के लिए घटना स्थल पर मौजूद रहें।

कमाण्डेंट एस0डी0आर0एफ0, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी अपर जिलाधिकारी एवं तैनात जिला स्तरीय नोडल/विभागीय अधिकारी मौके पर मौजूद रहें।









**दिनांक 16.11.2023—**

एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध थी, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे फंसे मजदूरों/कार्मिकों के रेस्क्यू हेतु एस्केप टनल निर्माण किये जाने के लिये आपूर्ति उच्च क्षमता ऑगर ड्रिलिंग मशीन को स्थापित कर प्रातः 10:30 बजे से ड्रीनिंग की कार्यवाही की गयी। कुल 18 मीटर पाईप लगवाया गया। पेयजल निगम/अन्य तकनीकी दलों एवं महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादू/विशेषज्ञ टीम आवश्यक सहयोग हेतु घटना स्थल पर मौजूद रहे। एनएचआईडीसीएल के निदेशक (ए एंड एफ), निदेशक (टी), कार्यकारी निदेशक (पी) और आरवीएनएल, राइट्स के विशेषज्ञ, प्राधिकरण के इंजीनियर मेसर्स नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड बचाव अभियान की करीबी निगरानी के लिए घटना स्थल पर मौजूद रहे। राज्य मंत्री जनरल बी0के0 सिंह, भारत सरकार, केन्द्रीय सचिव, मुख्य अभियन्ता सडक परिवहन विभाग, भारत सरकार, कमाण्डेंट एस0डी0आर0एफ0, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी अपर जिलाधिकारी एवं तैनात जिला स्तरीय नोडल/विभागीय अधिकारी की बैठक आहूत कर कार्यवाही की गयी ।



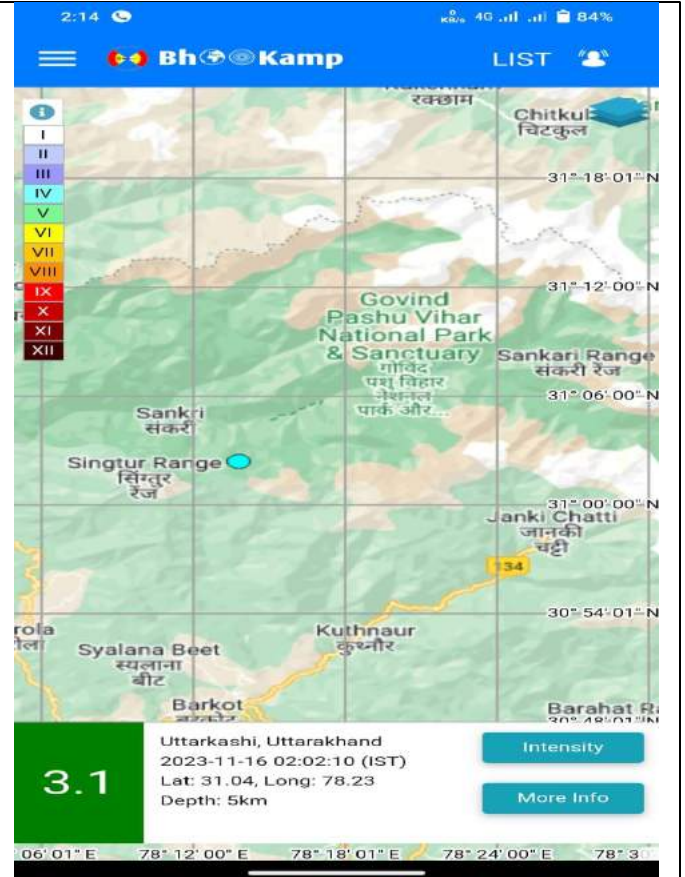




दिनांक 16.11.2023 को समय रात्रि 2:02 बजे जनपद के तहसील पुरोला, बडकोट, मोरी में भूकम्प के झटके महसूस किये गये। जनपद के समस्त तहसीलदार/थाना/पुलिस चौकियों/राजस्व उप निरीक्षक से भूकम्प से क्षति की सूचना प्राप्त की गयी। समस्त थाना/तहसीलान्तर्गत भूकम्प से किसी प्रकार के क्षति की सूचना प्राप्त नहीं हुयी। तहसील भटवाडी में अवस्थित मनेरी/जोशियाडा बाँध से भूकम्प से क्षति की सूचना प्राप्त की गयी। उक्त बाँधों में भूकम्प से किसी प्रकार की क्षति की सूचना प्राप्त नहीं हुयी। इस प्रकार जनपद में भूकंप से किसी प्रकार की क्षति नहीं होने के सम्बन्ध मे आख्या शासन को प्रेषित की गयी।

**भारतीय मौसम विभाग (IMD) नई दिल्ली से प्राप्त सूचना के अनुसार भूकम्प का विवरण :-**

- भूकम्प का परिमाण- 3.1(रिक्टर पैमाने पर)
- अक्षांश/Latitude- 31.04° N
- देशान्तर/Longitude - 78.23° E
- समय- 02:02 PM बजे।
- भूकंप का केन्द्र- तहसील मोरी अन्तर्गत सांकरी के सिंगतुर रेंज वन क्षेत्र में।



**दिनांक 17.11.2023-**

जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्न किये जा रहे -

एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध गया, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में काजू-500 ग्राम, भीगोये चने- 500 ग्राम, भूनेचने-500 ग्राम, मुरमुरे-500 ग्राम, पॉपकोर्न- 500 ग्राम, किसमिस-250 ग्राम टनल के अन्दर भेजा जा रहे।

सिलक्यारा टनल में उच्च क्षमता ड्रीलिंग मशीन से 22.00 मीटर पाईप (04 पाईप) को ड्रील तथा मशीन के सुरक्षात्मक कार्य किया गया। इन्दौर से एक अतिरिक्त (अर्थ ऑगर मशीन) को वायुसेना के C-17 एयरक्रॉफ्ट के माध्यम से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर रात्रि 1:30 बजे पहुँचाया गया। उक्त मशीन को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से 03 वाहनों में लोड कर सड़क मार्ग के माध्यम से सिलक्यारा हेतु भेजा गया। आरवीएनएल से आरओसी मशीन/आरवीएनएल पैकेज III से एक और शॉटक्रीट मशीन उपलब्ध है। 01 ऑगर मशीन खराब हुयी।

हैलीकॉप्टर के माध्यम से Shri Mahmood Ahmed Additional Secretary, MoRTH, shri Bhaskar Khulbe, OSD Tourism, GoUK, shri. Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy., PMO, shri Varun Adhikari, Geologist Engg, sri Armando Capellan, Expat Engineer घटना स्थल पर प्रातः 11 बजे तक पहुँच गये।

घटना स्थल पर स्टैजिंग एरिया/हेल्पडेस्क में अधिकारियों की तैनाती की गयी। जहां पर वॉर्टिकल ड्रिल मशीन, हॉरिजेंटल ड्रिल मशीन सॉफ्ट किटिंग मशीन एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के टनल के बाहर 03 पोकलेण्ड, 02 जेसीबी-02, ट्रक-06, हाईड्रॉ-01, लोडर-02 एवं टनल के अन्तर पोकलेण्ड-04, सॉट क्रीटिंग-03, बूमर-02, हाईड्रॉ-02, ट्रक-02 उपलब्ध थे। लोक निर्माण विभाग से 02 अतिरिक्त जे0सी0बी0 एवं अन्य विभागों 03 आवश्यक सामग्री आपूर्ति की गयी। स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया , जिसमें 06 बैड की व्यवस्था सहित प्रयाप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 108 एम्बुलेंस-05 एवं विभागीय अन्य एम्बुलेंस-05, चिकित्साधिकारी-एवं अन्य सहायक कर्मी तैनात रहें तथा फंसे हुये मजदूरों को चिकित्सकों द्वारा आवश्यक दवायों दी गयी।





जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO, NHAI, RVNL, RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD, PWD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्न किये जा रहे—

- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध गया, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में भोजन सामग्री भेजी जा रही। उत्तरप्रदेश के नोडल अधिकारी श्री अरूण मिश्रा द्वारा अन्दर फंसे मजदूरों से पाईप के माध्यम से वार्ता की गयी। मजदूरों द्वारा कुशल होना अवगत कराया गया।
- अतिरिक्त संचार व्यवस्था हेतु वॉकी-टॉकी आवंटित की गयी।
- बी0एस0एन0एल0/एस0डी0आर0एफ0 द्वारा टनल के अन्दर फंसे श्रमिकों के साथ संचार करने हेतु Intercom स्थापित किया गया।
- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रीलिंग मशीन से 22.00 मीटर पाईप (04 पाईप) को ड्रील किया गया है। लाईफ सर्विस प्लॉट को सुरक्षित स्थान पर स्थापित किया गया तथा कंक्रीट ह्यूम पाई से एक स्केप पेसेज बनाया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य किया गया।
- Shri Mahmood Ahmed Additional Secretary, MoRTH, shri Bhaskar Khulbe, OSD Tourism, GoUK, shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy. PMO, shri Varun Adhikari, Geologist Engg, shri Armando Capellan, Expat Engineer सहित सेना/ओ0एन0जी0सी0 तथा सीमा सड़क संगठन सहित पूर्व से उपस्थित अन्य विषय विशेषज्ञों द्वारा टनल के आस-पास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण उपरान्त बैठक कर विचार-विमर्श कर बचाव अभियान हेतु अन्य विकल्पों पर कार्यवाही की जाने के सम्बन्ध में योजना बनाई जा गयी है। प्राथमिक रूप से विकल्पों हेतु तैयारी प्रारम्भ कर दी गयी।
- इन्दौर से एक अतिरिक्त (अर्थ ओगर मशीन) को वायुसेना के एयरक्रॉफ्ट के माध्यम से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर रात्रि 1:30 बजे पहुँचाया गया तथा उक्त मशीन को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से 03 वाहनों के माध्यम से घटना स्थल सिलक्यारा में पहुँचाया गया।
- घटना स्थल पर निर्वाद संचार हेतु Jio रिलायंस के सहयोग से स्माल सैल नेटवर्क इन्टरनेट सेवा उपलब्ध करायी गयी है तथा कल दिनांक 19.11.2023 को ESC टॉवर की भी लगाये जाने की कार्यवाही की जायेगी। इसके अतिरिक्त बी0एन0एन0एल0 द्वारा भी उक्त स्थान पर बी0टी0एस0 माईक्रो टॉवर लगाये जाने की कार्यवाही की गयी।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के आये नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं आवागमन हेतु वाहन आदि की व्यवस्था की गयी। तथा मजदूरों के परिजनों से लाइजनिंग/कॉउंसिलिंग आदि कार्यवाही भी की गयी। उक्त कार्य हेतु नोडल अधिकारी तैनात किये गये।
- आरवीएनएल से आरओसी मशीन/आरवीएनएल पैकेज III से एक और शॉटक्रीट मशीन उपलब्ध थी।
- घटना स्थल पर स्टैजिंग एरिया/हेल्पडेस्क एक्टिवेट किया गया है। जहां पर वॉर्टिकल ड्रिल मशीन, हॉरिजेंटल ड्रिल मशीन सॉफ्ट किटिंग मशीन, ऑगर मशीन-03 एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के टनल के बाहर 03 पोकलेण्ड, 02 जेसीबी-02, ट्रक-06, हाईड्रॉ-01, लोडर-02 एवं टनल के अन्तर पोकलेण्ड-04, सॉट क्रीटिंग-03, बूमर-02, हाईड्रॉ-02, ट्रक-02 उपलब्ध है। लोक निर्माण विभाग से 02 अतिरिक्त जे0सी0बी0 एवं अन्य विभागों आवश्यक सामग्री आपूर्ति की गयी।
- स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 06 बैड की व्यवस्था सहित प्रयाप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी है तथा 108 एम्बुलेंस-05 एवं विभागीय अन्य एम्बुलेंस-05, चिकित्साधिकारी-एवं अन्य सहायक कर्मी तैनात रहें।
- उक्त के दृष्टिगत खोज-बचाव कार्य, पुलिस/02 अधिकारी एवं एन0डी0आर0एफ0/एस0डी0आर0एफ0/आई0टी0बी0पी0 मातली/सीमा सड़क संगठन/स्वास्थ्य विभाग/पुलिस वायरलेस द्वारा सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु 03 स्टैटिक सेट एवं 20 हेड सेट स्थापित किये गये है, जिसमें 01 अधिकारी एवं 08 जवान/त्वरित कार्यवाही दल आदि दल राहत बचाव उपकरणों सहित कुल 160 राहत कर्मी तैनात थे।

अधिकारियों/कार्मिकों की शिफ्टवार तैनाती की गयी एवं रात्री के समय समन्वय हेतु उप जिलाधिकारी बडकोट व आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के कार्मिकों की तैनाती की गयी।

- जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरकाशी के माध्यम से भोजन/ठहरने आदि की व्यवस्था की गयी।
- सैटेलाइट फोन एवं प्रकाश व्यवस्था की गयी। टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों की सुविधा हेतु हेल्पलाईन नम्बर-1374-222722, 222126 मोबाईल न0-6396014066 जारी किये गये। साईट कन्ट्रोल रूम तैयार कर रोस्टरवार जिला स्तरीय अधिकारियों की गयी।





## दिनांक 19.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD, PWD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्न किये जा रहे –
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध है, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में भोजन सामग्री भेजी जा रही तथा परिजनों से पाईप के माध्यम से बात करवायी जा रही।
- सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण का कार्य 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया तथा लगभग 200 मीटर अवशेष था, जिसमें कार्य लगातार किया गया।
- फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर एक अतिरिक्त 06 इंच के पाईप के ड्रिल की कार्यवाही गतिमान। वर्तमान तक लगभग 42 मीटर पाईप ड्रिल किया गया।
- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रिलिंग मशीन से 900 एम0एम0 पाई 22.00 मीटर (04 पाईप) को ड्रिल किया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य गतिमान है तथा पाईप को आगे कार्यशील किये जाने पर कार्यवाही की जा रही।
- सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये टनल के पास रेस्क्यू कार्यों का निरीक्षण किया गया।
- Shri Mahmood Ahmed Additional Secretary, MoRTH, shri Bhaskar Khulbe, OSD Tourism, GoUK, shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy. PMO, shri Varun Adhikari, Geologist Engg, shri Armando Capellan, Expat Engineer सहित सेना/ओ0एन0जी0सी0 तथा सीमा सड़क संगठन सहित पूर्व से उपस्थित अन्य विषय विशेषज्ञों घटना क्षेत्र में उपस्थित थे तथा सर्वेक्षण के उपरान्त निम्न 05 कार्ययोजना पर कार्यवाही की जा रही।

### योजना 01 – वॉर्टिकल ड्रिलिंग

बाडकोट की ओर से बीआरओ सम्पर्क मार्ग और प्लेटफार्म निर्माण किया जायेगा। उक्त पर ONGC द्वारा वॉर्टिकल ड्रिलिंग का कार्य करेगा।

- सिलक्यारा साईट से बीआरओ पहुँच मार्ग और प्लेटफॉर्म निर्माण किया गया तथा
- आरवीएनएल द्वारा टनल पर आवश्यक सामग्री हेतु 06 इंच पाईप लगवाने का कार्य (लाइफ लाइन निर्माण)

### योजना 02–

आरवीएनएल सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर वॉर्टिकल टनल का निर्माण किया गया

### योजना 03–

टीएचडीसी बडकोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण किया गया (क्षैतिज ड्रिलिंग)

### योजना 04–

सुरंग का सुदृढीकरण– एनएचआईडीसीए द्वारा किया गया।

### योजना 05

मजदूरों को बाहर निकालने के सिलक्यारा की तरफ से लिए एनएचपीसी/एसजेवीएन ड्रिलिंग कार्य किया गया।

घटना स्थल पर निर्वाद संचार हेतु Jio रिलायंस के सहयोग से स्माल सैल नेटवर्क इन्टरनेट सेवा उपलब्ध करायी गयी तथा ESC टॉवर भी लगाये जाने की कार्यवाही की जा रही इसके अतिरिक्त बी0एन0एन0एल0 द्वारा भी उक्त स्थान पर बी0टी0एस0 माईक्रो टॉवर लगाये जाने की कार्यवाही की गयी।

- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के आये नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं आवागमन हेतु वाहन आदि की व्यवस्था की गयी तथा मजदूरों के परिजनों से लाइजनिंग/कॉउंसिलिंग आदि कार्यवाही भी की गयी। उक्त कार्य हेतु नोडल अधिकारी तैनात थे।
- पुलिस रेडियो संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकटॉकी सैट आपूर्ति किये गये।
- केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी एवं मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार द्वारा घटना स्थल/रेस्क्यू कार्यों का निरीक्षण किया गया।







## दिनांक 20.11.2023

- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध है तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में भोजन सामग्री भेजी जा रही तथा परिजनों से पाईप के माध्यम से बात करवायी गयी।

### योजना 01- (सम्पर्क मार्ग/प्लेटफार्म)

- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य किया गया जिसमें प्रस्तावित 1200 मीटर सड़क मार्ग में 1150 मीटर कार्य पूर्ण किया गया अवशेष कार्य रात्रि तक पूर्ण होने की सम्भावना से अवगत कराया गया।
- सीमा सड़क संगठन द्वारा बड़कोट की ओर से 06 किमी0 रोड निर्माण कार्य किया गया। ONGC द्वारा टनल निर्माण हेतु सर्वेक्षण कार्य किया गया।

### योजना 02 ( सिलक्यारा से हॉरिजंटल ड्रिलिंग)

- सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की गयी। साईट का सर्वेक्षण एवं वर्तमान तक प्लेटफार्म तैयार किया गया। मशीनरी दिनांक 21.11.2023 को सांय 4:00 बजे तक नाशिक से देहरादून पहुँचेगी।
- उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित ।

### योजना 03

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । रात्रि से कार्य प्रारम्भ किया गया।

## योजना 04

- फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर RVNL/NHIDCL द्वारा टनल के अन्दर आवश्यक सामग्री हेतु तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप लगवाया गया । जिसकी कुल लम्बाई 57 मीटर है । जिससे आवश्यक खाद्य सामग्री की आपूर्ति की जायेगी ।
- टनल के अन्दर Safe passage निर्माण हेतु 03 बॉक्स कलवर्ट स्थापित किये गये तथा अन्य कलवर्ट स्थापित करने की कार्यवाही ROC मशीन के हटवाये जाने के उपरान्त की जायेगी कार्यस्थल पर वर्तमान समय में 16 कलवर्ट उपलब्ध थे तथा 11 कलवर्ट आपूर्ति की गयी ।

## योजना 5

- NHPC/SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने के सिलक्यारा की तरफ 1–1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की जानी । बी0आर0ओ0 द्वारा पहुँच मार्ग बनाये जाने के उपरान्त कार्य होगा ।
- GSI के भू-वैज्ञानिक घटना स्थल उप उपस्थित थे । जिनके द्वारा सर्वेक्षण किया गया ।

- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रिलिंग मशीन से 900 एम0एम0 पाई 22.00 मीटर (04 पाईप) को ड्रिल किया गया । उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य हथिया गया । रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन-42 K एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुँचाये जाने हेतु युकाडा एवं उत्तराखण्ड शासन से समन्वय किया गया ।

- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये । प्रकाश व्यवस्था हेतु 04 रिमोट एरिया लाईट एवं 02 अस्का लाईट आदि घटना स्थल पर भेजे गये जिलाधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी घटना स्थल पर तैनात रहें । समय-समय पर मा10 विधायकगणों एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा घटना स्थल का भ्रमण कर किये जा रहें कार्यों का निरीक्षण किया गया ।

## दिनांक-21.11.2023

- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं । मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में भोजन सामग्री भेजी जा रही थी तथा परिजनों से पाईप के माध्यम से बात करवायी जा रही थी । इसके अतिरिक्त पाईप के माध्यम से दवाईयां भी आवश्यकतानुसार भेजी गयी ।

## योजना 01-

- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया । मशीनरी आपूर्ति की गयी RVNL को विद्युत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी वॉर्टिक ड्रिलिंग 26.11.2023 तक पूर्ण होने की सम्भावना ।
- सीमा सड़क संगठन द्वारा बडकोट की ओर से 06 किमी0 रोड निर्माण का कार्य गया । जिसमें सर्वेक्षण की कार्यवाही गतिमान है । ONGC द्वारा टनल निर्माण हेतु सर्वेक्षण कार्य किया गया ।

## योजना 02 ( सिलक्यारा से डीलिंग-RVNL)

- सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की गयी । साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण रात्रि तक पूर्ण होगा । कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी । नाशिक से भेजी गयी मशीनरी घटना स्थल पर पहुँच गयी थी तथा दिल्ली से भेजी गयी मशीनरी ऋषिकेश से घटना स्थल पर पहुँचायी गयी । कार्यस्थल पर उपकरण 23.11.2023 तक स्थापित होने की सम्भावना बताई गयी ।
- निर्माण की जा जल आपूर्ति लाईन दिनांक 22.11.2023 की सांय तक निर्माण होने की सम्भावना से अवगत कराया गया । उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें ।

## योजना 03

- THDC द्वारा बडकोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । रात्रि में दो विस्फोट किये गये है, जिसमें 6.4 m drift तथा वर्तमान में शॉटक्रीट की कार्यवाही कि गयी । शॉटक्रीटिंग की कार्यवाही पूर्ण होने पर रात्रि में



ड्रेनेज होल निर्माण/रिब निर्माण तथा कंक्रीटिंग की कार्यवाही की जायेगी।

#### योजना 04

- फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर RVNL/NHIDCL द्वारा टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया, जिसकी कुल लम्बाई 57 मीटर है। रात्रि में उक्त पाईप से फल/ आदि खाद्य सामग्री/दवां भेजी गयी है तथा पाईप से वीडियो कैमरा लगवाया गया।
- सिलक्यारा टनल में पहले से ड्रिल 900 एम0एम0 पाईप के अन्दर से 800 एम0एम0 व्यास के पाईप वेल्डिंग कर चौथे पाईप (06 मीटर लम्बाई) के ड्रिलिंग की कार्यवाही गतिमान। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य गतिमान किया गया।
- टनल के अन्दर 190 से 150 मीटर सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया। अन्य कलर्वट स्थापित करने की कार्यवाही गतिमान है। कार्यस्थल पर वर्तमान समय में 14 कलर्वट उपलब्ध थे तथा 06 कलर्वट आपूर्ति की गयी।

#### योजना 5

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की गयी। बी0आर0ओ0 द्वारा कार्यस्थल पर पहुँच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी को स्थापित किये जाने की कार्यवाही की गयी।

#### योजना 6

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.5 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है। 02 फ्रेम तैयार किया गये हैं। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान तैनात रहें।
- GSI के भू-वैज्ञानिक घटना स्थल पर उपस्थित थे। जिनके द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- श्री नीरज खैरवाल, सचिव, उत्तराखण्ड शासन, महानिदेशक, सूचना, उत्तराखण्ड घटना स्थल पर तैनात रहें।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- श्री गिरीश जोशी, DRM परियोजना उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन घटना स्थल पर मौजूद रहें।
- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रिलिंग मशीन से 900 एम0एम0 पाई 22.00 मीटर (04 पाईप) को ड्रिल किया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन-42 K एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुँचाया गया।
- पुलिस रेडियो संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये। प्रकाश व्यवस्था हेतु 04 रिमोट एरिया लाईट एवं 02 अस्का लाईट आदि घटना उपलब्ध रखी गयी।
- दिनांक 18.11.2023 को इन्दौर से एक अतिरिक्त (अर्थ ओगर मशीन) को वायुसेना के एयरक्रॉफ्ट के माध्यम से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट तथा उक्त मशीन को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से 03 वाहनों के माध्यम से घटना स्थल सिलक्यारा में पहुँचाया गया।
- जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था की गयी।





दिनांक 22.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्न किये गये।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित होना बताया गया।
- योजना 01—
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर RVNL/NHIDCL द्वारा टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया है, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी है। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री/दवां भेजी गयी।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा सिलक्यारा टनल में पहले से ड्रिल 900 एम0एम0 पाईप के अन्दर से 800 एम0एम0 व्यास के 08 वें पाईप सांय 4:15 बजे तक ऑगर मशीन से ड्रिलिंग कर लगाये गये हैं जिसकी कुल लम्बाई 44 मीटर है। 9 वें पाईप के अलाइमेंट/वॉल्विंग की कार्यवाही की गयी। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधन उपलब्ध रखी गयी।
- आगर ड्रिलिंग मशीन के पास टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया।
- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विद्युत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी।
- एस0डी0आर0एफ0 द्वारा मजदूरों से संचार व्यवस्था की गयी।
- विद्युत आपूर्ति की गयी।

योजना 2

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की जानी। बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुँच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी को स्थापित किये जाने की कार्यवाही की गयी।

योजना 03 (सिलक्यारा से ड्रिलिंग-RVNL)

- सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही है। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया गया। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नाशिक से भेजी गयी मशीनरी घटना स्थल पर पहुँच गयी है तथा दिल्ली से भेजी गयी मशीनरी ऋषिकेश आपूर्ति की गयी।
- ड्रिल हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण कार्य गतिमान है। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।

योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रिलिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दौर से एयर ड्रिलिंग रिग साईट पर पहुँचायी गयी।

योजना 05

- THDC द्वारा बडकोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये। शॉटक्रीट की कार्यवाही गतिमान है।

योजना 6

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। 08 फ्रेम तैयार किया गये। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान थे।
- विशेष कार्यकारी अधिकारी श्री भाष्कर खुलबे, डॉ नीरज खैरवाल, सचिव, उत्तराखण्ड शासन समन्वय अधिकारी, महानिदेशक, सूचना, उत्तराखण्ड, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक आदि जनपद स्तरीय अधिकारी

उपस्थित थे।

- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात थे।
- श्री गिरीश जोशी, DRM परियोजना उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन घटना स्थल पर मौजूद रहे।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति, ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की गयी।
- GSI के भू-वैज्ञानिक घटना स्थल पर उपस्थित थे। जिनके द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रीलिंग मशीन से 900 एम0एम0 पाई 22.00 मीटर (04 पाईप) को ड्रील किया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन-42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुँचाया गया।
- पुलिस रेडियो संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर भेजे गये। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन आपूर्ति की गयी।
- टनल के पास फोन जमा करने हेतु कूपन तैयार कार्यवाही की गयी।





## दिनांक-23.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्न किये गये—
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं।
- योजना 01—
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर RVNL/NHIDCL द्वारा टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया है, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी है। उक्त पाईप से फल/दाल-रोटी आदि खाद्य सामग्री/दवाईयों भेजी जा रही है एवं संचार व्यवस्था की गयी है। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा सिलक्यारा टनल में पहले से ड्रिल 900 एम0एम0 पाईप के अन्दर से 800 एम0एम0 व्यास के 08 वॉ पाईप दिनांक 22.11.2023 को सांय 4:15 बजे तक ऑगर मशीन से ड्रिलिंग कर लगाये गये। जिसकी कुल लम्बाई 44 मीटर है। 9 वें पाईप लगाने के दौरान आगे सरिया आने के कारण ड्रिल नहीं किया जा सका। गैस कटर से उक्त सरिया/अवरोध को हटाया गया तथा ऑगर मशीन में ड्रिल की कार्यवाही प्रारम्भ किया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधन उपलब्ध थे। सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की गयी।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के अधिकारी द्वारा की गयी मांग के अनुसार आपदा प्रबन्धन द्वारा उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण, देहरादून से समन्वय कर हैलीकॉप्टर के माध्यम से दो राउंड में एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के ऑपरेटर/तकनीकी कार्मिक पहुँचाये गये।
- हैलीकॉप्टर के माध्यम से तीसरे राउंड में CIMFR संस्थान, रूडकी से विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर पहुँचायी गयी।
- हैलीकॉप्टर के माध्यम से जनरल बी0के0 सिंह जी मा0 मंत्री भारत सरकार, सचिव, MoRTH भारत सरकार, DG, NDRF एवं आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी, IG पुलिस गढ़वाल घटना स्थल पर पहुँचकर राहत कार्य का निरीक्षण किया गया।
- हैलीकॉप्टर के माध्यम मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार घटना स्थल पर पहुँचकर राहत-बचाव कार्य का निरीक्षण किया गया तथा फंसे मजदूरों से वार्ता की गयी।
- आगर ड्रिलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया।
- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विद्युत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी।
- योजना 2
- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की जानी है। बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुँच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी कार्य स्थल पर पहुँच गयी तथा स्थापित किये जाने की कार्यवाही की गयी।
- योजना 03 (सिलक्यारा से डीलिंग-RVNL)
- सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की गयी। साईट का सर्वेक्षण किया गया है एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया जा रहा है। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नाशिक/दिल्ली से भेजी गयी मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद।
- ड्रिल हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण कार्य किया गया। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित।
- योजना 04
- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रिलिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया।

## योजना 05

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । ड्रिलिंग/शॉटक्रीट की कार्यवाही गतिमान ।

## योजना 6

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया । 10 फ्रेम तैयार किया गये। जिसमें सैना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान तैनात रहें।
  - वायुसैना के 02 हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया गया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रामा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुँचाया जाने हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया ।
  - जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
  - विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रिलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की गयी।
  - GSI के भू-वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
  - दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन-42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुँचाया गया।
  - पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकटॉकी सैट आपूर्ति किये गये।
  - प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर आपूर्ति की गयी। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन आपूर्ति की जा रही ।
  - टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजनिंग/कॉउंसिलिंग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात रहें।
  - उक्त के दृष्टिगत राहत-बचाव कार्यों, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक- 95 एवं पी0एस0सी0-85 पुलिस रेडियों संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन-12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान हैं, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रिलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी-02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तैनात थे।
  - पुलिस वायरलेस द्वारा सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु 03 स्टैटिक सेट एवं 20 हेंड सेट स्थापित किये गये ,
  - जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरकाशी के माध्यम से भोजन/ठहरने की व्यवस्था की गयी।
  - सैटेलाईट फोन एवं प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध रखी गयी।
  - घटना स्थल से 05 किमी0 की दूरी पर स्थान स्यालना के पास अस्थायी हैलीपैड निर्माण किया गया तथा बड़कोट/चिन्चालीसौड हैलीपैड भी राहत कार्यों हेतु एक्टिव/चिन्हित किया गया ।
- हैलीकॉप्टर के माध्यम से तीसरे राउंड में CIMFR संस्थान, रूडकी तथा दिल्ली से आये अन्य तकनीकी सदस्यों को देहरादून से घटना स्थल पर पहुँचाया गया। मा0 मंत्री भारत सरकार, मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार, सचिव, MoRTH भारत सरकार, DG,NDRF एवं आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी, IG पुलिस गढ़वाल घटना स्थल पर पहुँचकर राहत कार्यों का निरीक्षण किया गया।





**दिनांक 24.11.2023**

दिनांक 24.11.2023 को ड्रीलिंग के दौरान सिरिया/गडर आदि के अवरोध को हटाते ऑगर मशीन के अलाईमेंट/प्लेटफार्म का कंक्रीट आदि से सुदृढीकरण कार्य किया गया तदपश्चात ड्रीलिंग की कार्यवाही गयी सांय तक 46.9 मीटर ड्रीलिंग की गयी। ड्रीलिंग के दौरान पुनः सिरिया/गाडर आने के कारण उसको हटाये जाने की कार्यवाही की गयी। ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं स्पेशल टीम को पाईप के अन्दर भेज कर GPR मशीन से वीडियो बनाकर सर्वेक्षण किया। केन्द्रीय खनन टीम/CIMFR संस्थान, रूडकी से विशेषज्ञों आदि संस्थान के विशेषज्ञ घटना स्थल पर उपस्थित थे। घटना स्थल पर, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार), एम.डी0, एनएचआईडीसीएल, आयुक्त गढ़वाल मंडल, विधायक गंगोत्री एवं यमुनोत्री विधानसभा रेस्क्यू अभियान के समन्वयक सचिव, उत्तराखण्ड शासन, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमांडेंट, पुलिस अधीक्षक आद उपस्थित रहें। मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत आई0टी0बी0पी0मातली में कैम्प

कार्यालय स्थापित करते हुये घटना स्थल/टनल में जा कर रेस्क्यू कार्यों का निरीक्षण किया गया तथा सुरक्षित व त्रिव गति से रेस्क्यू कार्य सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।

**योजना- 01 दिनांक-26.11.2023** दिनांक 26.11.2023 को प्लाज्मा कटर से ऑगर मशीन की ब्लेड को काटने में कठिनाई होने के कारण गैस कटर से ब्लेड को काटकर ऑगर ब्लेड बाहर निकालने की कार्यवाही की गयी। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया। दिनांक 25.11.2023 हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुँचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून वाहन आपूर्ति करते हुये रात्रि 2:10 बजे घटना स्थल पर पहुँचाये गये। चण्डीगढ़ से लेजर कटर आज प्रातः 7:00 बजे घटना स्थल पर पहुँचा। दिनांक 25.11.2023 को उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या- GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी जो उत्तरकाशी आयी। मशीन के सुचारु आवागमन की व्यवस्था की गयी। बलसाद से भी मशीन घटना स्थल पहुँचायी गयी। CIMFR संस्थान, रुडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित थे।

**योजना-2**

SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण हेतु बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुँच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया है। ड्रीलिंग मुख्य मशीनरी कार्य स्थल पर पहुँच गयी। तथा दोपहर 12:00 बजे से ड्रीलिंग प्रारम्भ की गयी।

**योजना 03 ( सिलक्यारा से वार्तिकल डीलिंग-RVNL)**

सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की गयी। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किय गया। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नासिक/दिल्ली से मशीनरी 22.11.2023 तक मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद थे। प्लेटफार्म निर्माण कार्य किया जा रहा।

सिलक्यारा की तफर से 6 इंच एवं 8 इंच की वॉर्टिकल ड्रीलिंग की गयी। सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विद्युत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी। प्लेटफार्म तैयार कर वर्तमान समय तक 40 मीटर ड्रीलिंग पूर्ण की गयी।

**योजना 04**

बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग मशीन कार्यस्थल पर पहुँच गयी इसके अन्य एयर हेमर ड्रीलिंग ऋषिकेश में रखी गयी, मैंगो कटर मशीन आज कार्यस्थल पर पहुँच गयी। मशीनरी आपूर्ति की गयी। सीमा सड़क संगठन द्वारा मार्ग निर्माण किया गया। जिसमे 5000 मीटर में से 1050 मीटर कार्यपूर्ण किया गया।

**योजना 05**

THDC द्वारा बडकोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये। ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की कार्य किया गया। कुल 10.6 मीटर लम्बाई टनल तैयारी की गयी तथा 13 रिब तैयार की गयी।

**योजना-06**

टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। 22 फ्रेम तैयार किया गये

स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया, जिसमें 09 बेड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात थे। चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी।

जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सचिव, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार, रेस्क्यू अभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन, द्वारा राहत कार्यों का निरन्तर अनुश्रवण किया गया। एम. डी0, एनएचआईडीसीएल, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमांडेंट, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी घटना स्थल मौके पर मौजूद रहें।





## दिनांक 25.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्नित गये—
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित होने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।
- योजना 01—
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया। जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री रोटी-दाल आदि/चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाईयाँ दी गयी एवं संचार व्यवस्था स्थापित थी। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया।
- दिनांक 24.11.2023 सिरया/गडर को हटाते हुये 800 एम0एम0 पाईप के अन्दर जा कर पाईप के आगे मुड़े भाग 1.2 मीटर पाईप को वल्लिंग मशीन से काटा गया तथा ऑगर मशीन के अलाईमेंट/प्लेटफार्म का कंक्रीट आदि से सुदृढीकरण कार्य किया गया। सायं 4:30 बजे से 10 वें पाईप को ड्रीलिंग प्रारम्भ कर 46.9 मीटर पाईप लगवाया गया। ड्रीलिंग के दौरान पुनः अवरोध आने के कारण आंगर ड्रीलिंग मशीन को वापस करते समय ऑगर मशीन की ब्लेड पाईप के अन्दर टूट जाने के कारण उसे निकालने की कार्यवाही की गयी। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधन उपलब्ध है। सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की गयी।
- CIMFR संस्थान, रूडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहें।
- हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्रान्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुँचाया तथा जौलीग्रान्ट देहरादून से घटना स्थल पर पहुँचने हेतु वाहन आपूर्ति किया गया।
- उडीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या— GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी गयी जो रात्रि तक ऋषिकेश में पहुँचेगी कल सायं तक घटना स्थल पर आयेगी। मशीन के सुचारु आवागमन की व्यवस्था की गयी।
- घटना स्थल पर जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सचिव, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार), मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार, कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, सरकार, एम.डी0, एनएचआईडीसीएल, आयुक्त गढ़वाल मंडल, रेस्क्यू अभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमांडेंट, पुलिस अधीक्षक आदि उपस्थित रहे।
- मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुये रेस्क्यू कार्यो को सुरक्षित व त्रीव गति से सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- Shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy., PMO घटना पर उपस्थित रहें।
- स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 09 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात थे।
- चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी थे। जिसमें इंटरनेट संयोजित किया गया थे।
- उक्त के दृष्टिगत राहत-बचाव कार्यो, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक— 95 एवं पी0एस0सी0—85 पुलिस रेडियो संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन—12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान थे, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रीलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के



अधिकारी/कर्मचारी-02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तैनात थे।

- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया।
- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की गयी RVNL को विद्युत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी।
- एस0डी0आर0एफ0 एवं बी0एस0एन0एल0 के माध्यम से इन्टरकॉम सिस्टम स्थापित किया गया।
- विद्युत आपूर्ति की गयी।

## योजना 2

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण कार्य किया। बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुँच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी कार्य स्थल पर पहुँच गयी तथा स्थापित किये जाने की कार्यवाही की गयी।

## योजना 03 ( सिलक्यारा से डीलिंग-RVNL)

- सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया जा रहा। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गया। नाशिक/दिल्ली से भेजी गयी मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद रहें।
- ड्रील हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण की गयी। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।

## योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया।

## योजना 05

- THDC द्वारा बडकोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये। ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की गयी।
- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। 10 फ्रेम तैयार किया गये। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान उपस्थित रहें।
- वायुसेना के 02 हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुँचाया जाने हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की गयी।
- GSI के भू-वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्य हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन-42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुँचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकार्टोंकी सैट आपूर्ति किये गये।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर आपूर्ति की गयी। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन की उपलब्धता रखी गयी।
- टनल के पास फोन जमा करने हेतु कार्मिक तैनात किये गये हैं।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजनिंग/कॉउंसिलिंग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात रहें।







### दिनांक-26.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्न किये गये।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं।
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री रोटी-दाल आदि/चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाईयों भेजी जा रही एवं संचार व्यवस्था स्थापित कि गयी। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया।
- दिनांक 24.11.2023 सिरया/गडर को हटाते हुये 800 एम0एम0 पाईप के अन्दर जा कर पाईप के आगे मुड़े भाग 1.2 मीटर पाईप को वल्लिंग मशीन से काटा गया तथा ऑगर मशीन के अलाईमेंट/प्लेटफार्म का कंक्रीट आदि से सुदृढीकरण कार्य किया गया। सायं 4:30 बजे से 10 वें पाईप को ड्रीलिंग प्रारम्भ कर 46.9 मीटर पाईप लगवाया गया। ड्रीलिंग के दौरान पुनः अवरोध आने के कारण आंगर ड्रीलिंग मशीन को वापस करते समय आंगर मशीन की ब्लेड पाईप के अन्दर टूट जाने के कारण उसे निकालने की कार्यवाही की गयी।
- दिनांक 26.11.2023 को प्लाज्मा कटर से ऑगर मशीन की ब्लेड को काटने में कठिनाई होने के कारण गैस कटर से ब्लेड को काटकर जा रहा है दोपहर 1:00 बजे तक 31.91 मीटर ऑगर ब्लेड बाहर निकाली गयी। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधन उपलब्ध थे। सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की जा रही।
- आंगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया।
- दिनांक 25.11.2023 हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुँचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून वाहन आपूर्ति करते हुये रात्रि 2:10 बजे घटना स्थल पर पहुँचाये गये।
- चण्डीगढ़ से लेजर कटर आज प्रातः 7:00 बजे घटना स्थल पर पहुँचाया गया।
- दिनांक 25.11.2023 को उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या-GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी गयी है जो उत्तरकाशी आ रही है। मशीन के सुचारु आवागमन की व्यवस्था की जा रही गयी। बलसाद से भी गयी मशीन घटना स्थल पहुँचायी गयी।
- CIMFR संस्थान, रूडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहें।
- जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सचिव, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, रेस्क्यू आभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा राहत कार्य का निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा। एम.डी0, एनएचआईडीसीएल,

सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमांडेंट, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी घटना स्थल मौके पर मौजूद।

- मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुये रेस्क्यू कार्यो का निरन्त अनुश्रवण कर मजदूरों का रेस्क्यू सुरक्षित व त्रीव गति से सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- Shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy., PMO द्वारा राहत-राहत बचाव कार्यो का निरन्त अनुश्रवण किया गया।
- स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 09 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात रहें।
- चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी। जिसमें इंटरनेट संयोजित किया गया।
- उक्त के दृष्टिगत राहत-बचाव कार्यो, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक- 95 एवं पी0एस0सी0-85 पुलिस रेडियो संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन-12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान है, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रीलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी-02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तैनात रहें।

#### योजना 2

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की जानी है। बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुँच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया। ड्रीलिंग मुख्य मशीनरी कार्य स्थल पर पहुँची तथा दोपहर 12:00 बजे से ड्रीलिंग प्रारम्भ की गयी।

#### योजना 03 ( सिलक्यारा से वार्टिकल डीलिंग-RVNL)

- सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया गया। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नासिक/दिल्ली से मशीनरी 22.11.2023 तक मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद थे। प्लेटफार्म निर्माण कार्य गतिमान रहा।
- सिलक्यारा की तफर से 6 इंच एवं 8 इंच की वॉर्टिकल ड्रीलिंग की गयी। सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया मशीनरी आपूर्ति की गयी RVNL को विद्युत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी। प्लेटफार्म तैयार कर वर्तमान समय तक 40 मीटर ड्रीलिंग पूर्ण की गयी।
- ड्रील हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण की गयी। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।

#### योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग मशीन कार्यस्थल पर पहुँचायी गयी इसके अन्य एयर हेमर ड्रीलिंग ऋषिकेश में रखी गयी, मैंगो कटर मशीन कार्यस्थल पर पहुँचायी गयी। मशीनरी आपूर्ति की गयी। सीमा सड़क संगठन द्वारा मार्ग निर्माण किया गया। जिसमे 5000 मीटर में से 1050 मीटर कार्यपूर्ण किया गया।

#### योजना 05

- THDC द्वारा बडकोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये। ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की कार्यवाही की गयी। कुल 10.6 मीटर लम्बाई टनल तैयारी की गयी तथा 13 रिब तैयार की गयी।
- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर



सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। 22 फ्रेम तैयार किया गये । जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान तैनात रहें।

- वायुसेना के 02 हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुँचाया जाने हेतु हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया ।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात थे।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की कार्यवाही की गयी तथा GSI के भू-वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्य हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन-42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हेलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुँचाया गया।  
टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजनिंग/कॉउंसिलिंग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात रहें।
- दिनांक 18.11.2023 को इन्दौर से एक अतिरिक्त (अर्थ ओगर मशीन) को वायुसेना के एयरक्रॉफ्ट के माध्यम से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट तथा उक्त मशीन को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से 03 वाहनों के माध्यम से घटना स्थल सिलक्यारा में पहुँचाया गया ।
- आरवीएनएल से आरओसी मशीन/आरवीएनएल पैकेज III से शॉटक्रीट मशीन उपलब्ध थी।
- घटना स्थल पर वॉर्टिकल ड्रिल मशीन, हॉरिजेंटल ड्रिल मशीन सॉफ्ट किटिंग मशीन, ऑगर मशीन-03 एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के टनल के बाहर 03 पोकलेण्ड, 02 जेसीबी-02, ट्रक-06, हाईड्रॉ-01, लोडर-02 एवं टनल के अन्तर पोकलेण्ड-04, सॉट क्रीटिंग-03, बूमर-02, हाईड्रॉ-02, ट्रक-02 आदि उपकरण उपलब्ध । लोक निर्माण विभाग से 02 अतिरिक्त जे0सी0बी0 एवं अन्य विभागों आवश्यक सामग्री आपूर्ति की गयी।
- पुलिस वायरलेस द्वारा सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु 03 स्टैटिक सेट एवं 20 हेंड सेट स्थापित किये गये,
- जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरकाशी के माध्यम से भोजन/ठहरने की व्यवस्था की गयी।
- सैटेलाईट फोन एवं प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध रखा गया।
- घटना स्थल से 05 किमी0 की दूरी पर स्थान स्यालना के पास अस्थायी हेलीपैड निर्माण किया गया तथा बडकोट/चिन्चालीसौड हेलीपैड भी राहत कार्य हेतु एक्टिव/चिन्हित किया गया ।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों की सुविधा हेतु हेल्पलाईन नम्बर-1374-222722, 222126 मोबाईल न0-6396014066 जारी किये गये। साईट कन्ट्रोल रूम तैयार कर रोस्टरवार जिला स्तरीय अधिकारियों की तैनाती की गयी ।







**27.11.2023**

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्न किये गये।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं।
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री रोटी-दाल आदि/चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाईयाँ भेजी गयी एवं संचार व्यवस्था स्थापित है। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया।

#### **योजना-1**

- दिनांक 24.11.2023 सिरया/गडर को हटाते हुये 800 एम0एम0 पाईप के अन्दर जा कर पाईप के आगे मुड़े भाग 1.2 मीटर पाईप को वल्लिंग मशीन से काटा गया तथा ऑगर मशीन के अलाइमेंट/प्लेटफार्म का कंक्रीट आदि से सुदृढीकरण कार्य किया गया। सायं 4:30 बजे से 10 वें पाईप को ड्रीलिंग प्रारम्भ कर 46.9 मीटर पाईप लगवाया गया। ड्रीलिंग के दौरान पुनः अवरोध आने के कारण आंगर ड्रीलिंग मशीन को वापस करते समय ऑगर मशीन की ब्लेड पाईप के अन्दर टूट जाने के कारण उसे निकालने की कार्यवाही की गयी।
- दिनांक 27.11.2023 को प्लाज्मा/गैस कटर से ऑगर मशीन के ब्लेड को काटकर पाईप से बाहर निकाला गया बोल्टर द्वारा परीक्षण के पश्चात जालीदार गडर ऑगर में फंसने के कारण निकाले की कार्यवाही की गयी तथा पाईप के मरम्मत का कार्य किया गया। उक्त 800 एम0एम0 पाईप से अवरोध पूर्ण रूप से हटवाया गया रैड माईनर्स के मजदूरों के माध्यम से आगे खुदाई करवायी गयी तथा पाईप को आगर मशीन से फिट किया गया। जिस हेतु कार्यस्थल पर पर्याप्त मशीन एवं मानव संसाधन उपलब्ध थे सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की गयी
- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 87.2 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया।

#### **योजना 2**

- GSI, RVNL & ONGC/SJVNL के विचार-विमर्श के उपरान्त मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास वॉर्टिकल ड्रीलिंग कार्य किया गया। 30.80 मीटर ड्रीलिंग की गयी। उक्त स्थान पर साईट मॉनिटरिंग हेतु जिला प्रशासन/आपदा प्रबन्धन द्वारा साईट कंट्रोल रूम स्थापित कर मजदूरों हेतु टैंट लगवाये गये। संचार व्यवस्था हेतु Jio का टॉवर लगाया गया।

#### **योजना 03 ( सिलक्यारा से वॉर्टिकल ड्रीलिंग-RVNL)**

- सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही है। साईट का सर्वेक्षण किया गया है एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया जा रहा है। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी है। नासिक/दिल्ली से मशीनरी 22.11.2023 तक मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद है। प्लेटफार्म निर्माण कार्य गतिमान।
- सिलक्यारा की तरफ से 6 इंच एवं 8 इंच की वॉर्टिकल ड्रीलिंग की जानी है। सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया है। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विद्युत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी है। प्लेटफार्म तैयार कर 72 मीटर ड्रीलिंग पूर्ण की गयी है तथा ड्रीलिंग कार्यवाही गतिमान है।

#### **योजना 04**

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीलिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग मशीन कार्यस्थल पर पहुँच गयी है इसके अन्य एयर हेमर ड्रीलिंग ऋषिकेश में रखी गयी है, मैंगो कटर मशीन आज कार्यस्थल पर पहुँच गयी है। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है। सीमा सड़क संगठन द्वारा मार्ग

निर्माण किया जा रहा है। जिसमें 5000 मीटर में से लगभग 1100 मीटर सम्पर्क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। कार्य गतिमान रखा गया।

#### योजना 05

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये। ड्रिलिंग/शॉटक्रीट की कार्यवाही गतिमान है। कुल 12 मीटर लम्बाई टनल तैयारी की गयी है तथा 18 रिब तैयार की गयी है।

#### योजना 06

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेलडरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है। 22 फ्रेम तैयार किया गये है। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान उपस्थित रहें।
- घटना स्थल हेतु आने वाली मशीनरी हेतु पुलिस सम्बन्धित विभाग के संसाधन तैनात कर यातायात सुचारु करते हुये ट्रैफिक में फंसी मशीनों को घटना स्थल हेतु भेजा गया।
- जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण कार्यरत मजदूरों/कर्मिकों हेतु अतिरिक्त कम्बल/गद्दे/ टेंट आदि आपूर्ति किये गये। टेंट विभिन्न कार्य स्थल पर लगवाये गये।
- मा0 प्रधानमंत्री जी भारत सरकार के प्रमुख सचिव, डॉ0 पी0के0 मिश्रा एवं सचिव, गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन, आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी आदि द्वारा घटना स्थल का भ्रमण कर राहत-बचाव कार्यों का निरीक्षण किया गया।
- दिनांक 25.11.2023 हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुँचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून वाहन आपूर्ति करते हुये रात्रि 2:10 बजे घटना स्थल पर पहुँचाये गये।
- चण्डीगढ़ से लेजर कटर आज प्रातः 7:00 बजे घटना स्थल पर पहुँचा।
- दिनांक 25.11.2023 को उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या-GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी गयी है जिसे घटना स्थल पर पहुँचाया जा रहा है।
- CIMFR संस्थान, रूडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहें।
- जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सचिव, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, रेस्क्यू अभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा राहत कार्यों का निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा है। एम.डी0, एनएचआईडीसीएल, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमांडेंट, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी घटना स्थल मौके पर मौजूद है।
- मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुये रेस्क्यू कार्यों का निरन्त अनुश्रवण कर मजदूरों का रेस्क्यू सुरक्षित व त्रिव गति से सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- Shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy., PMO द्वारा राहत-राहत बचाव कार्यों का निरन्त अनुश्रवण किया जा रहा है।
- स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 09 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी है तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात रहें
- चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी है। जिसमें इंटरनेट संयोजित किया गया।
- उक्त के दृष्टिगत राहत-बचाव कार्यों, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक- 95 एवं पी0एस0सी0-85 पुलिस रेडियों संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन-12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान है, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रिलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी-02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी



तैनात है। वायुसैना के 02 हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया। उत्तराखण्ड नागरिक उड़डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ःषिकेश पहुँचाया जाने हेतु हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है।

- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की जा रही है। GSI के भू-वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यो हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन-42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हेलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुँचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकार्टोंकी सैट आपूर्ति किये गये है।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर आपूर्ति की गयी। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन आपूर्ति की जा रही है।
- टनल के पास फोन जमा करने हेतु कार्मिक तैनात किये गये है।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजनिंग/कॉउंसिलिंग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी रहें।











### दिनांक-28.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORITY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पन्न किये गये।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं।
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री रोटी-दाल आदि/चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाईयाँ भेजी गयी एवं संचार व्यवस्था स्थापित है। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया।  
योजना-1
- सिलक्वारा की तरफ से टनल के अन्दर 800 एम0एम0 पाईप में रैड मईनिंग के मजदूरों के माध्यम से आगे मजदूरों के माध्यम से खुदाई एवं ऑगर मशीन से पाईप फिट करने का कार्य किया गया। लगभग 57 मीटर पाईप फिट किया गया जो मलवे के पार गया तथा टनल के अन्दर सुरक्षा के दृष्टिगत 800 एम0एम0 का 01 अतिरिक्त पाईप जोड़ा गया। रात्रि 8:00 बजे से सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण के उपरान्त एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिन्वालीसौड में भर्ती किया गया। मजदूरों को आवश्यक कपड़े/कम्बल आदि सामग्री वितरित की गयी।
- टनल के अन्दर 08 बेड का अस्थायी चिकित्सालय स्थापित किया गया है जहाँ पर आवश्यक स्वास्थ्य उपकरण/मशीन तथा अन्य व्यवस्थायें की गयी।
- चिन्वालीसौड हवाईपट्टी में वायुसेना का एक चिन्कूक हैलीकॉप्टर स्टैंडबाई रखा गया।
- यातायात व्यवस्था की गयी। इसके अतिरिक्त समुचित प्रकाश व्यवस्था रखी गयी।

- जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, मा. मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड अपर सचिव सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, श्री मंगेश धिण्डियाल, उप सचिव, भारत सरकार सरकार, रेस्क्यू अभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन, आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी, एम.डी0, एनएचआईडीसीएल, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमांडेंट, एस0डी0आर0एफ0 कमाण्डेंट, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी घटना स्थल मौके पर मौजूद रहें।
- जिस हेतु कार्यस्थल पर पर्याप्त मशीन एवं मानव संसाधन उपलब्ध है। सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की गयी।
- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये है। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 87.2 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया।

## योजना 2

- सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास वॉर्टिकल ड्रीलिंग कार्यवाही की गयी। प्रातः तक 43.50 मीटर ड्रीलिंग की गयी। उक्त स्थान पर साईट मॉनिटरिंग हेतु जिला प्रशासन/आपदा प्रबन्धन द्वारा साईट कन्ट्रोल रूम स्थापित कर मजदूरों हेतु टैंट लगवाये गये। संचार व्यवस्था हेतु Jio का टॉवर लगाया गया।

## योजना 03 ( सिलक्यारा से वार्टिकल डीलिंग-RVNL)

- सिलक्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया गया। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नासिक/दिल्ली से मशीनरी 22.11.2023 तक मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद। प्लेटफार्म निर्माण कार्य किया गया।
- सिलक्यारा की तफर से 6 इंच एवं 8 इंच की वॉर्टिकल ड्रीलिंग की जानी है। सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुँच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विद्युत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी। प्लेटफार्म तैयार कर तक 72 मीटर ड्रीलिंग पूर्ण की गयी तथा ड्रीलिंग कार्यवाही गतिमान है।
- एस0डी0आर0एफ0 आदि के माध्यम से संचार व्यवस्था की गयी
- विद्युत आपूर्ति की गयी
- ड्रील हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण की गयी है। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।।

## योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग मशीन कार्यस्थल पर पहुँच गयी इसके अन्य एयर हेमर ड्रीलिंग ऋषिकेश में रखी गयी , मैंगो कटर मशीन आज कार्यस्थल पर पहुँचायी गयी। मशीनरी आपूर्ति की गयी। सीमा सड़क संगठन द्वारा मार्ग निर्माण किया गया। जिसमे 5000 मीटर में से रात्रि तक लगभग 1100 मीटर सम्पर्क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण किया गया। कार्य गतिमान रखा गया।

## योजना 05

- THDC द्वारा बडकोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये। मलवा की सफाई/ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की कार्यवाही गतिमान है। तक कुल 13.20 मीटर लम्बाई टनल तैयारी की गयी है तथा 18 रिब तैयार की गयी।

## योजना 06

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। 22 फ़ेम तैयार किया गये। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान थे।
- घटना स्थल हेतु आने वाली मशीनरी हेतु पुलिस सम्बन्धित विभाग के संसाधन तैनात कर यातायात सुचारु करते हुये ट्रैफिक में फंसी मशीनों को घटना स्थल हेतु भेजा गया।
- कार्यरत मजदूरों/कर्मिकों हेतु अतिरिक्त कम्बल/गद्दे/टैंट आदि आपूर्ति किये गये।
- दिनांक 27.11.2023 को मा0 प्रधानमंत्री जी भारत सरकार के प्रमुख सचिव, डॉ0 पी0के0 मिश्रा एवं सचिव, गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन, आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी आदि द्वारा घटना



स्थल का भ्रमण कर राहत-बचाव कार्यों का निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 25.11.2023 हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुँचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून वाहन आपूर्ति करते हुये दिनांक 27.11.2023 को रात्रि 2:10 बजे घटना स्थल पर पहुँचाये गये।
- दिनांक 27.11.2023 को चण्डीगढ़ से लेजर कटरघटना स्थल पर पहुँचा।
- दिनांक 25.11.2023 को उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या- GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी गयी
- वलसाड से भेजी गयी मशीनरी एवं टीम को रात्रि तक घटना स्थल पर पहुँचाया गया। वाहनों को शीघ्र भेजे जाने हेतु अधिकारी/कर्मचारियों की तैनाती कर यातयाता नियंत्रित किया तथा अतिरिक्त वाहनों की आपूर्ति की गयी।
- CIMFR संस्थान, रुडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित थे।
- मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुये रेस्क्यू कार्यों का निरन्त अनुश्रणव कर मजदूरों का रेस्क्यू सुरक्षित व द्रवी गति से सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 09 बेड की व्यवस्था सहित प्रयाप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात थे।
- चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी। जिसमें इंटरनेट संयोजित किया गया।
- उक्त के दृष्टिगत राहत-बचाव कार्यों, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक- 95 एवं पी0एस0सी0-85 पुलिस रेडियों संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन-12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान है, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रीलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी-02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तैनात रहें।
- वायुसेना के 02 हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुँचाया जाने हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की जा रही है। GSI के भू-वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन-42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुँचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकार्टोंकी सैट आपूर्ति किये गये है।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर आपूर्ति की गयी। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन आपूर्ति की जा रही है।
- टनल के पास फोन जमा करने हेतु कार्मिक तैनात किय गये है।  
टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजनिंग/कॉउंसिलिंग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात रहें









**दिनांक—29.11.2023**

सिलक्यारा टनल से रेस्क्यू किये गये सभी मजदूरों से प्रातः मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा पुनः मुलाकात की गयी तथा प्रत्येक मजदूरों को रू0 1.00 लाख की राहत राशि का चैक वितरित किया गया। चिकित्सकों द्वारा सभी मजदूरों का स्वास्थ्य सामान्य होने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। सभी मजदूरों को हवाई पट्टी चिन्चालीसौड़ से वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर के माध्यम से मानसिक परीक्षण हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुँचाया गया तथा मजदूरों के परिजनों को 05 वाहनों के माध्यम से सड़क मार्ग से भेजा गया। उक्त के उपरान्त सभी मजदूरों को गृह जनपद/आवास तक पहुँचाया गया जिस हेतु नोडल अधिकारी तैनात कर उनके गनतव्य हेतु भेजे गये।







क्र. सं	कार्यों का विवरण	छाया चित्र	
	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ दिनांक 12.11.2023 को प्रातः 8:45 बजे सूचना प्राप्त होते ही जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र को सक्रीय किया गया।</li> <li>➤ जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा तत्काल दूरभाष नम्बर से जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, सम्बन्धित उपजिलाधिकारी एवं जनपद स्तरीय सम्बन्धित अन्य अधिकारियों एवं राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र को अवगत कराया गया।</li> </ul>		
	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ राहत-बचाव हेतु पुलिस/ एनडीआरएफ/ एसडीआरएफ/ अग्निशमन टीम/राजस्व/लोक निर्माण विभाग/त्वरित कार्यवाही दल सहित सभी सम्बन्धितों को तत्काल मौके पर भेजा गया।</li> </ul>		





- घटना के सम्बन्ध में तत्काल प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा 24X7 की तर्ज पर हेल्पलाईन नम्बर जारी किये गये।
- एन0एच0डी0सी0एल0 के अधिकारियों से समन्वय कर अतिरिक्त मशनरी के आपूर्ति के सम्बन्ध में कार्यवाही/समन्वय किया गया।

**हेल्पलाइन**

जनपद उत्तरकाशी के तहसील डुण्डा अन्तर्गत दिनांक 12/01/2024 को एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के सिलक्यारा-पोलगांव निर्माणाधीन रोड टनल की तरफ से टनल के 270 मीटर भाग के पास मलवा आने के कारण फसे 40 मजदूरों से सम्बन्धित सूचना हेतु हेल्पलाइन नम्बर-

क्र.स.	कन्ट्रोल रूम	सम्पर्क नम्बर
1	जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी। (जिला मुख्यालय)	01374-222722, 222723 मो0 नम्बर- 750033
2	पुलिस कन्ट्रोल रूम, उत्तरकाशी	7455991223 7818066867 (सिलक्यारा)

**Uttarkashi Police Uttarakhand**  
21h · 📍

सिलक्यारा टनल हादसे में अपडेट व सहायता हेल्पलाइन जारी।... See more

**सिलक्यारा टनल रेस्क हेल्पलाइन नम्बर**

**+91 74559 91223**

**24x7**

Uttarkashi Police Uttarakhand

- एन0एच0डी0सी0एल0 के अधिकारियों से समन्वय कर अतिरिक्त मशनरी के आपूर्ति के सम्बन्ध में कार्यवाही/समन्वय किया गया।



- सीमा सड़क संगठन, एन0एच0आई0डी0सी0एल0 आदि संस्थानों द्वारा टनल के अन्दर आये मलवे को युद्ध स्तर पर हटाया गया।



➤ खोज-बचाव एवं सुरक्षा के दृष्टिगत आई0टी0बी0पी0 12 वीं वाहिनी मातली/आई0टी0पी0पी0 35 वीं वाहिनी महिडाण्डा की तैनाती की गयी।



➤ टनल के ऊपरी भाग का क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना के दृष्टिगत विभिन्न खोज-बचाव दलों से सर्वेक्षण करवाया गया।



➤ घटना स्थल के पास मीडिया सेन्टर स्थापित किया गया।





➤ घटना स्थल पर ड्रोन कैमरा से सर्वेक्षण किया गया।



➤ लो०नि०वि० से 02 जे०सी०बी०, जल संस्थान से वोरिंग मशीन, तथा L&T से आर०ओ०सी० ड्रीलिंग मशीन की व्यवस्था कर मौके पर भेजा गया।



➤ घटना स्थल से 05 किमी० की दूरी पर स्थान स्यालना के पास घटना के अगले दिन ही अस्थायी हैलीपैड का निर्माण किया गया।



- शासन द्वारा उत्तराखण्ड पेयजल निगम का विशेषज्ञों के माध्यम से ऑगार मशीन द्वारा ड्रीलिंग कार्य प्रारम्भ करते हुये 900/800 एम0एम0 के पाईप घटना स्थल पर पहुँचाये गये।







- जिला पूर्ति अधिकारी के द्वारा राहत कार्यों में तैनात कार्मिकों हेतु भोजन व्यवस्था एवं ईंधन आदि की आपूर्ति की गयी। राहत कार्य में लोगों की संख्या अधिक होने के कारण हंस कल्चर सेन्टर, नई दिल्ली से भोजन आदि व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया।
- विशेषज्ञों, भारत सरकार/राज्य सरकार के अधिकारीगणों एवं रेस्क्यू से सम्बन्धित अन्य लोगों के ठहरने एवं भोजन आदि की व्यवस्था की गयी।



- हवाई पट्टी (चिन्यालीसौड) को रेस्क्यू कार्यों हेतु सक्रीय कर नोडल अधिकारी/आवश्यक व्यवस्था की गयी।
- चिन्यालीसौड हवाई पट्टी में एयरफोर्स के 03 विमान के माध्यम से 01 अतिरिक्त ऑगार मशीन दिल्ली से पहुँचाई गयी। जिसे रात्रि में ही सड़क मार्ग से घटना स्थल पर पहुँचाया





<p>गया।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ मशीनरी को शीघ्र घटना स्थल पर पहुँचाये जाने हेतु यातायात नियंत्रण हेतु विभिन्न स्थानों पर पुलिस तैनात करते हुये संकरे सड़क मार्ग का मरम्मत व मशीनों की व्यवस्था की गयी।</li> <li>➤ मशीनों को अन्य जनपदों एवं जोलीग्राण्ट एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से घटना स्थल तक पहुँचाये जाने हेतु Green Corridor की व्यवस्था की गयी।</li> <li>➤ घटना स्थल का दौरा करने वाले समस्त जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा एवं घटना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था</li> </ul>		
<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ संचार व्यवस्था हेतु अस्थायी पुलिस रेडियों संचार कन्ट्रोल रूम बनाया गया तथा अस्थायी पुलिस चौकी बनायी गयी।</li> <li>➤ जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा अतिरिक्त संचार व्यवस्था हेतु वॉकी-टॉकी आवंटित की गयी।</li> <li>➤ घटना स्थल पर संचार सुविधाओं को सुदृढ़ किये जाने हेतु जियो, एयरटेल, बी0एन0एन0एल0 वी0आई0 के अस्थायी मोबाइल टॉवर स्थापित किये गये।</li> </ul>		
<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा घटना स्थल पर तैनात विभिन्न संस्थानों के अधिकारियों/कार्मिकों/ऑपरेटरों के ठहरने हेतु टेंट, कम्बल/गद्दे आदि की व्यवस्था की गयी।</li> <li>➤ जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा घटना स्थल पर विभिन्न बैठकों हेतु वीडियों कन्फ्रेंसिंग सिस्टम लगवाया गया।</li> <li>➤ जनपद आपदा प्रबन्धन</li> </ul>		

प्राधिकरण द्वारा साईट स्टोर रूम बनाया गया।

- राहत-बचाव कार्य हेतु अतिरिक्त वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था की गयी।



- कार्यरत कार्मिकों एवं श्रमिकों के शीतलहरी से बचाव हेतु जलौनी लकड़ी की व्यवस्था कर अलाव जलाये गये।
- कार्यो की मॉनिटरिंग हेतु सी0सी0टी0वी0 लगवाये गये।
- घटना स्थल पर एक 08 बेड का अस्थायी स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किया गया।
- टनल के अन्दर जाने वाले के मोबाइल आदि जमा किये जाने हेतु सेन्टर बनाया गया।
- विभिन्न योजनाओं के कार्य स्थल पर साईट के सूपरविजन हेतु जनपद आपदा प्रबन्धन द्वारा कैनोपी/टेंट लगवाते हुये निगरानी की गयी।





- तकनीकी विशेषज्ञों/उपकरणों को शीघ्र घटना स्थल पर पहुँचाने हेतु शासन एवं नागरिक उड़डयन विभाग, उत्तराखण्ड से समन्वय कर समय-समय पर मांग के अनुसार हैलीकॉप्टर उपलब्ध करवाया गया।



- योजना के अनुसार विभिन्न संस्थाओं को आवंटित कार्यों के चिन्हित स्थल पर मशीनरी पहुँचाये जाने हेतु सीमा सड़क संगठन द्वारा युद्ध स्तर पर सम्पर्क मार्ग तैयार की गयी।



- विद्युत विभाग द्वारा घटना स्थल पर कार्य करे रहें विभिन्न संस्थाओं की मांग के अनुरूप विद्युत आपूर्ति किये जाने हेतु अस्थायी विद्युत उपकेन्द्र स्थापित कर विद्युत आपूर्ति की गयी। इसके अतिरिक्त पथप्रकाश आदि व्यवस्था की गयी।









- बी0एस0एन0एल0 / एस0डी0 आर0एफ0 द्वारा टनल के अन्दर फंसे श्रमिकों के साथ संचार करने हेतु Intercom स्थापित किया गया।



- घटना स्थल पर अन्य विभागीय वाहनों एवं परिवहन विभाग के सहयोग से अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराये गये। वाहनों हेतु ईंधन आदि की आपूर्ति की गयी।
- जौलीग्राण्ट एयरपोर्ट देहरादून, ऋषिकेश एवं अन्य स्थानों से आने वाली मशीनों व विषय विशेषज्ञों हेतु वाहन उपलब्ध कराये गये।



- टनल में फंसे श्रमिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के आये नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं आवागमन हेतु वाहन एवं मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था की गयी।



- परिजनों से लाइजनिंग / कॉउंसिलिंग, मनोचिकित्सा परामर्श आदि कार्यवाही भी की गयी है।
- चिकित्सकों द्वारा नियमित रूप से टनल में फंसे मजदूरों से वार्ता करते हुये मनोचिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा परामर्श करते हुये अन्य आवश्यक दवाईयाँ उपलब्ध करायी गयी।



- घटना स्थल पर 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी / चालक तैनात किये गये।



- रेस्क्यू कार्यों के डॉक्यूमेंटेशन हेतु समस्त रेस्क्यू कार्यों की वीडियो / फोटोग्राफी की गयी।
- चिन्यालीसौड में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त चिकित्सा वार्ड तैयार किया गया। जहाँ पर श्रमिकों व उनके परिजनों के भोजन आदि की व्यवस्था भी की गयी।





- सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण के उपरान्त एम्बुलेंस के माध्यम से
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिन्यालीसौड में भर्ती किया गया।
- मजदूरों को आवश्यक कपड़े/कम्बल आदि सामग्री वितरित की गयी।



- भारतीय वायु सेना से समन्वय कर चिन्यालीसौड हवाईपट्टी में वायुसेना का एक चिनूक हेलीकॉप्टर को श्रमिकों AIIMS ऋषिकेश भेजे जाने हेतु तैनात किया गया।
- मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा श्रमिकों से पुनः मुलाकात की गयी तथा प्रत्येक मजदूरों को रू0
- 1.00 लाख की राहत राशि का चैक वितरित किया गया है।
- चिकित्सकों द्वारा सभी मजदूरों का स्वास्थ्य सामान्य होने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।
- सभी मजदूरों को हवाई पट्टी चिन्यालीसौड से वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर के माध्यम से मानसिक परीक्षण हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुँचाया गया।
- श्रमिकों के परिजनों को 05 वाहनों के माध्यम से सड़क मार्ग से भेजा गया है।
- उक्त के उपरान्त सभी मजदूरों को गृह जनपद/आवास तक पहुँचाये जाने हेतु अपर जिलाधिकारी, उत्तरकाशी को नोडल अधिकारी तैनात करते हुये उनके गन्तव्य तक भेजा गया।



टनल के अन्दर फंसे श्रमिकों का एवं सम्बन्धित राज्यों के तैनात नोडल अधिकारी विवरण

(झारखण्ड-15, उत्तरप्रदेश-08, बिहार-05, उड़ीसा-05, पं० बंगाल-03, उत्तराखण्ड-02, असम-02, हिमाचल-01)

क्र. स.	नाम	पिता का नाम	पता	राज्य का नाम	सम्बन्धित राज्यों के नोडल अधिकारी	मोबाईल नं०
1	विशाल कुमार	धर्म सिंह	मण्डी	हिमाचल प्रदेश		7876019267
2	विश्वजीत कुमार	हेमलाल महतो	ग्राम सिमराधाब	झारखण्ड	श्री भूवनेश्वर प्रसाद- मो०-7762843006	8789689146
3	सुबोध कुमार	बुधन कुमार	ग्राम सिमराधाब	झारखण्ड		7633974639
4	अनिल बेदिया	चक्रू बेदिया	खिराबेरा रांची	झारखण्ड		9835919157
5	राजेंद्र बेदिया	श्रवण बेदिया	खिराबेरा रांची	झारखण्ड		8950454307
6	सुकराम	बढन बेदिया	खिराबेरा रांची	झारखण्ड		9835546012
7	टिंकू सरदार	बोनू सरदार	दुमरिया	झारखण्ड		9905807977
8	गुनोधर	चन्द्रमोहन	मणिकपुर बाराबोतला	झारखण्ड		6202379367
9	रंजित सिंह	रिसपाल लौहार	मणिकपुर बाराबोतला	झारखण्ड		6379498972
10	रविन्द्र	धनंजय नायक	मणिकपुर दुमरिया	झारखण्ड		7294165808
11	समीर	सन्तोष नायक	बन्कीसौल दुमरिया	झारखण्ड		7667490415
12	महादेव	घासीराम नायक	चेलाबेडा पश्चिमी सिंहभूम	झारखण्ड		6352539912
13	भुक्तू मुर्मु	बसेत मुर्मु	कुंडालुका बांकीसोल	झारखण्ड		9324684079
14	चमरा उराव	भगतु उरॉव	ग्राम लरता कुर्रा	झारखण्ड		9508507189
15	विजय होरो	अर्जुन होरो	ग्राम गुमड लरता	झारखण्ड		7763005674
16	गणपति	खिदुवा	ग्राम मदुगामा कुर्रा	झारखण्ड		7505554716
17	सबाह अहमद	मिसवाह अहमद	ग्राम पेउर पो० पेउर भोजपुर	बिहार		श्री प्रत्य अमृत मो०-9431815833
18	सोनू साह	स्वालिया शाह	ग्राम साहनी	बिहार	7668755170	
19	विरेन्द्र किसकू	मुनी लाल किसकू	तेतरिया कटोरिया	बिहार	7983141686	
20	सुशील कुमार	राजदेव विश्वाकर्मा	ग्राम चंदनपुर	बिहार	7909020292	
21	श्री दीपक कुमार	श्री शत्रुघन, बिहार	मुज्जफरनगर	विहार	6209020080	
22	सेविक पखेरा	असिथ पखेरा	हरीनाखली	पश्चिम बंगाल	श्री अश्विन कुमार- मो०-8637065545	7047393809
23	मानिर तालुकदार	केतालुकदार	कुछ बिहार	पश्चिम बंगाल		9476273821
24	जयेदव परमानिक	तापश परमानिक	निमडांगी हुगली	पश्चिम बंगाल		9477890395
25	तपन मंडल	मन्तु लाल मंडल	सनकरसनापुर	उडिसा	श्री सत्यनारायण आचार्य, मो० 7008053648	8984405190
26	भगवान बत्रा	मंतू बत्रा	ग्राम नवरंग पुर	उडिसा		7000018542
27	विशेषर नायक	महेश्वर नायक	जोगीबन्द मयूरबंज	उडिसा		6300436870
28	राजू नायक	मुचीसम नायक	कुल्दिया बडकेदम मयूरबंज	उडिसा		7853008180
29	धीरेन	मयूर भंजउडीसा	बडाकुदर	उडिसा		9548049454



30	अखिलेश कुमार	रमेश कुमार	कोलाना मिर्जापुर	उत्तरप्रदेश	श्री अरुण कुमार मिश्रा— मो0— 9721939303	7307227193
31	अंकित	सीताराम	ग्राम मोतीपुर कला	उत्तरप्रदेश		6345382923
32	राम मिलन	सुख सागर	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		6386722475
33	सत्यदेव	रामसागर	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		6306401120
34	सन्तोष	विसेश्वर	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		8174895656
35	जयप्रकाश	गनू	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		8810939673
36	राम सुन्दर	मनीराम	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		6386753905
37	मंजीत	चौधरी	भेरमपुर मंघा खीरी	उत्तरप्रदेश	7668745039	
38	पुष्कर		पिथौरागढ,	उत्तराखण्ड	श्री देवेन्द्र सिंह पटवाल, मो0—9456147974	7819845509
39	गब्बर सिंह नेगी	श्री उदय सिंह	ग्राम विशनपुर कोटद्वार,	उत्तराखण्ड		9548379914
40	संजय	बीरेन	रामफलबिल कोकराजहर	असम	श्री कृपाल जोति मो0—9435592762	9389314661
41	रामप्रसाद	रूपेन नरजरी	रामफलबिल कोकराजहर	असम		6900885642

## तैनात मशीनरी का विवरण-

So N.	Name of the agency	Machinery deployed	Man power
1	NHIDCL	1nos American Auger Machine air lift from Delhi by C-17 (three Flight) on emergent basis	MD NHIDCL, Camped at site and headed the rescue opertation Director (A&F), Director T, ED (P) are supervising the operation at site since 12th Nov 2023 the day of the incident. Three ED (T)s are also present. 2 Managers & 4 engineers present at site. 350 technical work force & 450 supporting force are working in the operation 24*7 on behalf of EPC contractor M/s NECL. Total = 825
2		1nos Auger Machine air lift from Indore by C-17 (two Flight) on emergent basis	
3		Shotcrete machine 2nos from Devprayag (PKG III)	
4		1nos Shotcrete machine from Devprayag (PKG III)	
5		1nos Boomer from Devprayag (PKG III)	
6		1nos Grouting machine from Devprayag	
7		1nos HDD machine from Devprayag	
8		1nos Vertical Drilling machine from Devprayag	
9		1nos Hydraulic jack from Devprayag	
10		1nos Plate binding machine from Devprayag	
		Plasma Cutting Machine from Hyderabad	
	Lesar Cutting Mashin from Chandigarh		
	GPR d		
11		1nos ROC machine from Vikasnagar	
12	THDC	1nos Boring machine from THDC Tehri	6 technical officers
13	SJVNL	1nos Pile Rig machine from Devprayag	Sr. Level officer 5, Technical Engg. 7 & 3 skilled labour Total = 15
14		1nos Plie Rin machine from VALSAD Gujrat	
15		1nos Pile Rig machine from HIRA KUND ORISSA	
16		2nos MIG wellding machine from Saharanpur UP	
17	RVNL	1nos Excavator ( Hitachi Ex-200) from Max infra/ RVNL-PK-1	4 seinor officers, 2manager, 6 engg, 4 supervisous, 14 labour Total = 30
18		1nos JCB from L&T/ RVNL PK-2	
19		Dumper from Silkyara site	
20		1nos Hydra-15 T from Max Infra/ RVNL-PK-1	
21		1nos Crane-35 T from Max Infra/ RVNL-PK-1	
22		Drilling Rig 8" bore from sardar tubwell store, 11Civil lines Rookee	
23		AVN 1200 TB (with components) from DELHI	
24		TBM component by flight from Mumbai & Nasik on emergent basis	



## Manpower, Resources, Expertise and Technical knowhow deployed as per timeline

## Annexure-01

Sr. No.	Date	Agency / Department	Machinery/ Equipment's deployed	Manpower deployed	Technical/ Admin personnel deployed	Experts engaged	Total Manpower	Work done
1	12/11/2023	Health	DH/CHC Medical Unit- 9 Bed, Ambulance- 43, Oxygen cylinder-16, Oxycare-50, Medical Instrument, medication, Official Vehicles - 01	Ambulance driver /others- 47	Staff nurses-15, paramedics/lab technicians-26, Pharmacist and X-RAY Technicians-45	Doctors-22	155	Immediately established 8 bedded temporary hospital at the operation site with lifesaving medicines /equipment, frequent teleconsultation with Stranded workers round the clock and at the time of evacuation of stranded workers established another 08 bedded temporary hospital inside the Tunnel. At Community Health Centre (CHC) Chinyalisaur arranged 41 bedded special wards.
2	12/11/2023	Police	Search and Rescue Equipment, Search Light, Tent-2, Official Vehicles - 14.	HC-20, CON-45, PAC- 85	SP-1, CO-3, INSP-08, SI-12, ASI-15		189	Responsible for maintaining law & order at Silkyara Tunnel site/different helipads/air strip/hospital and manage crowd control. Establishment of Police Control room, temporary police chowki and check post barrier at operation site.
3	12/11/2023	SDRF	Search and Rescue Equipment, Search Light, Inflammable tower (Aska)- 2, Pelican light-2 communication system in tunnel, Official Vehicles - 07	33 Search and rescue staff	5 officers	Communication device expert-1	39	Search and rescue work
4	12/11/2023	NDRF	Cutter & Search and Rescue Equipment, Search Light, Tower light- 2, Official Vehicles - 8	59 Search and rescue staff	3 officers		62	Search and rescue work
5	12/11/2023	ITBP 35BN	Search and Rescue Equipment, Search Light, Official Vehicles - 01	16 Search and rescue staff	1 officer		17	Tunnel Entrance & Crowd Management
6	12/11/2023	ITBP 12BN	Rescue Equipment with lifesaving medicine, Ambulance-1, Official Vehicles - 03	55 Search and rescue staff with medical representative	5 officers		60	Tunnel Entrance & Crowd Management
7	12/11/2023	Fire	Fire tender-4, Mini tendre-3, rescue van-1, Search and Rescue and fire safety Equipment, Search Light, Official Vehicles - 01	24 Fire Man			24	Ensure fire safety arrangement at incident site as well as at helipad/air strip and site temporary hospital and CHC Chinyalisaur
8	12/11/2023	Police wireless	VHF Static -08, Rescue- 4, VHF H/H - 32, Heavy Duty battery-4, Official Vehicles - 01	HC-04	3 officers		7	Wireless communication and function the police control room at site.

9	12/11/2023	DDMA/District Administration	Silkyara Site control room, Help Desk, District Emergence control room, walkie-talkie- 30, Inflammable tower (Aska)- 8, Pelican light-13, tents- 06, bedding, blankets, firewood for night duties, Official Vehicles - 42	113 Staff	17 Officers	Geologist-1	130	Coordinated with experts/specialists from other state/department, state government for helicopter for experts/specialists during the operation. Coordination among different Rescue agencies as well as collect updated progress. Assist requirement by Rescue agencies. Arranged stay, transportation and site visit of expert and VIP's, organized meeting among agencies, experts, and officials. Arranged machinery and other equipment's of all agencies. Establishment Site control room, Help Desk, District Emergency Operations Centre, CCTV control room, video conference system at site. allotted ID cards for all Agencies. Maintaining documents and preparing reports.
10	12/11/2023	USDMA/State Govt. officials	USDMA formed a committee and state govt. depute a senior officer for better coordination in different agencies also deputed some officer from other state to help the district administration. Official vehicle -07	14 Staff	10 Officers	Geologist/ Specialist-8	32	At first USDMA formed a committee of 7 expert/scientist of different agencies to inspect incident site for farther rescue action. After that state govt. depute a senior officer for better coordination in different agencies also deputed some officer from other state to help the district administration.
11	20/11/2023	Jal Sansthan Uttarkashi	HDPE pipe 90mm (1500Mtr), HDPE pipe 75mm (500Mtr), HDPE pipe 40mm (500mtr), Electric fug-01No, Union (65mm)-10No, Union (80mm)-20No, GI Reducer (80x65)02No, T&P Dia (80x65)-02No, 36" Wrench-02No, 24" Wrench-02No, Hexe Frame with blad-02No, Washpetion-01 No, Cistern-01No, Welding Machine with Generator-01, Boring Machine for 125 Dia Dia bore, Tanker -02, Official Vehicles - 02	Labour-30,	Executive Engineer-01, - Assistant Engineer-02, Junior Engineer-03, Fitter-10		46	As per requirement from RVNL, 500 LPM capacity of water supply was created. 2899 m pipeline was laid. 300 LPM by means of Gravity and rest 200 LPM arranged by means of pumping and laid 500m additional pipe line for the same. Arranged Boring machine and Drinking water facility with the help of 02 Nos Tankers continuously at site.
12	12-11-2023	Uttarakhand PayJal Nigam	steel pipe 900 MM (46Mtr), steel pipe 800 MM (66Mtr), Ogar machine 25 HP, Submersible Pump 5HP, HDPE pipe-800 Mt, Electricity Wire 150 Mt, Truck -3, Official Vehicle - 03	3 staff	4 Officer	senior officers-2, Expert-1	10	At first supply 800mm and 900mm steel pipe from Haridwar/ Dehradun/Ghaziabad and installed 25 HP Ogar machine for drilling escape tunnel.



13	12/11/2023	DSO UTTARKASHI	Food Arrangement for all search and rescue persons and staff at the incident site, Official Vehicles - 01	10 Staff	11 officers	21	Arrangement of food for the rescue worker experts/specialists as well as for the workers family members. Also responsible for the arrangement of fuel to the vehicle/machines involved during the operation and food for the people involved in the operation.
14	12/11/2023	Information Department	Media centre, Photographers & Videographer, Official Vehicles - 01	2 staff	1 officer	3	Responsible for media management, issuing regular press brief. Coordinating with all national and local media representee at operation site as well as other site of incidence.
15	13-11-2023	UPCL	1- CABLES (2X6MM SQ) = 200 MTRS. 2-CABLES (2X6 SQ MM) =400 MTRS. 3- LED LIGHTS- 06 No. 4- 24 NOS, 70-WATT LED LIGHTS. 5- Aluminium cables (2X6 SQ MM) 800 Mt. 6- Flood light (4X240). 7- Aerial bunch cables (3X35SQ mm)1.5 Km. 8- LED Street light 70 wat 06No. 9- LED tube light-1 No. 10- Transformer -02 (500 and 400 KVA). 11- 11 KV line 300 Mt. 12-Official Vehicle-03	26 Employee/Lin eman/Line Coolie	6 officers	32	Provided electricity at the vertical drilling site, approach road and provided electricity to the micro TBM.
16	13/11/2023	Telecom Agency (BSNL, JIO, VODAFONE , AIRTEL)	All accessories for Strengthening of Telecommunication and internet connectivity, Official Vehicles - 04	8 technical staff of all agencies	2 officers	10	Establishment and Strengthening of Telecommunication and internet connectivity at incident site, CHC Chinyalisor and intercom facility tunnel site.
17	15/11/2023	CD PWD Chiyalishor	Tipper-1, Official Vehicles - 02	2 staff	officer- 1	3	worked as nodal officer at Chinyalisor air strip and arrange unloading and lodging of heavy machinery and equipment from airstrip to incident site.
18	15/11/2023	BRO	BD-50 - 02 No, Excavator - 02 No, Hydra- 02 No, Trailer -03 No, T/LC — 08 No, Precast Box Culvert Segment VariousSize - 50 No, Hume pipe 900 mm Dia NP-4- 18 Nos, Diesel- 3880 Litre, Official Vehicles -03	GRAF Subordinates/ CPLs-170	officer- 08	178	Prepared road at drilling site.

19	12/11/2023	NH, PWD BARKOT	Compressor- 01, Excavator with Breaker- 01, JCB-01, Hydra-01, DG 30 Kva-1, Grader-1, Roller- 1, Dumpers- 2, Water Tanker-1, Official Vehicles - 02	6 other staff	officers -02		8	Maintain and activated temporary Helipad near the incident site (Syalana) and provided expert engineers at the operation site. Provided local resources/machineries, maintenance of Helipad near Syalana. Helped with heavy machinery movement.
20	12/11/2023	UJVNL, Uttarkashi	ROC Drilling Machine-01, Hydra Crane - 01, trailer - 01, 16 rooms UJVNL guest house, Official Vehicles - 07		Executive Engineer-06, Assistant Engineer-05, Junior Engineer-01	Drilling Expert - 03	15	Worked as Nodal officers shift-wise remain present at site as per order of DDMA and coordination among different Rescue agencies as well as collect updated progress. Assist requirement by Rescue agencies. Arranged site visit of drilling expert organized meeting among firm and officials of NHIDCL. Machinery arranged from Lakhwar Multipurpose Project of UJVN Ltd. Also arrange accommodation and logistic for govt. officials, Expert and Specialist at departmental guest house.
21	12/11/2023	PWD, Uttarkashi/ Bhatwari	Excavator- 01, JCB-04, Official Vehicles - 02	12 staff	4 officer		16	Constructed and temporary Helipad near the incident site (Syalana). Worked as Nodal officers shift-wise remain present at site as per order of DDMA and coordination among different Rescue agencies as well as collect updated progress. Assist requirement by Rescue agencies.
22	18/11/2023	District Truism officer/Soil conservation officer/Labour officer (Logistic & family welfare)	Bus -01, Official Vehicles - 03	03 Staff	3 officers		6	Nodal for accommodation provided to relative and families of Stranded workers also providing food warm clothing, shoes, and communication facilities etc. Also arrange accommodation and logistic for other govt. officials, health worker and different states nodal officer.
23	13/11/2023	Road Transport Department	Arrange 20 No. of trailer and 12 taxi/maxi cab as per demand of district administration and working agencies, Official Vehicles - 02	12 staff	officers -02		14	Arrange 20 No. of trailer and 12 taxi/maxi cab as per demand of district administration and working agencies for transportations of heavy machines and expert/Specialist/VIP form different places at time to time.
24	14/11/2023	Social Welfare Department	Tents and barricades, Official Vehicles - 01	01 staff	officer- 1		2	Arrangement of tents and barricades for media centre and rescue personals in incident site.
							1079	



# मिली 'सांस' बंधी आस

18 मिनट में मिलायी सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

60 मिनट में मिलायी सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

4 दिन का जलभरण, 18 मिनट में सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

## सुरंग में फंसा है लखीमपूर निवासी चौधरी का बेटा, डेढ़ वर्ष पूर्व इसी तरह की निर्माण कंपनी में सुरंग में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

**जगी उम्मीद**

लखीमपूर निवासी चौधरी का बेटा सुरंग में फंसा है। सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान



चौधरी का बेटा सुरंग में फंसा है। सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान



चौधरी का बेटा सुरंग में फंसा है। सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

## में खी चुके हैं बड़ा बेटा

सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

## अधिकारियों ने जाना झारखंड के फंसे श्रमिकों का हाल

झारखंड के फंसे श्रमिकों का हाल अधिकारियों ने जाना

## श्रमिकों को निकालने को प्लान-सी भी

सुरंग में बटिकल और हरिजाटल बोरिंग कर मार्ग बनाने को किया जा रहा सर्वे

**करसरत**

सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान



सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

## रेस्क्यू में जुटी एजेंसियों को समय से उपलब्ध कराई जाए सहायता

रेस्क्यू में जुटी एजेंसियों को समय से उपलब्ध कराई जाए सहायता

## जुटी एजेंसियों को समय से उपलब्ध कराई जाए सहायता

जुटी एजेंसियों को समय से उपलब्ध कराई जाए सहायता



सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

## पुलिस-प्रशासन ने माक ड्रिल कर परखी रेस्क्यू की तैयारी

पुलिस-प्रशासन ने माक ड्रिल कर परखी रेस्क्यू की तैयारी

## फिर संकटमोचक की भूमिका में हरक्यूलिस

फिर संकटमोचक की भूमिका में हरक्यूलिस



सुरंग में फंसे बेटे की आवाज सुनी तो सुरंग खुलाने की आस में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान

## दिनोंदिन गंभीर हो सकती है श्रमिकों की मनोदशा: डा. दास

**चिकित्सकी की राय**

चिकित्सकी की राय

**फॉस्ट-ट्रैमेटिक स्ट्रेस**

फॉस्ट-ट्रैमेटिक स्ट्रेस



डा. दास का कहना है कि श्रमिकों की मनोदशा गंभीर हो सकती है

श्रमिकों के उपचार को तेवर

श्रमिकों के उपचार को तेवर

सहायता संकट में जल्दी

सहायता संकट में जल्दी

























• 6 पृष्ठ  
• 3 बैरगणित पृष्ठ  
• 22 संकाय

D 000  
वर्ष 27 | अंक 370 | पृष्ठ 14+16 | मूल्य: सात रुपये

# अमर उजाला

देहरादून  
शुक्रवार, 24 नवंबर 2016  
कार्यकाल: सुबह-दुपहर  
डिजिटल संकाय-1080

भारोत्साव विश्वास का

amarujala.com

शामी ने बोले

मुकाबला हारने के बाद प्रधानमंत्री का गले

## मजदूरों का एक और दिन सुरंग में बीता, फिर रुका ड्रिलिंग का काम

**ऑपरेशन सिलक्यारा**

ड्रिलिंग कर रही आंगर मशीन का बेस हिलने से रोकना पड़ गया बचाव अभियान अधिकारी बोले- शुक्रवार सुबह फिर शुरु होगी ड्रिलिंग, दिन तक सफलता संभव

अमर उजाला ब्यूरो

मिलक्यारा (उत्तरकाशी)। 41 मजदूरों को 12वां दिन भी सुरंग के भीतर ही बिताना पड़ा। आंगर मशीन के सामने आए स्टीच को काटने में ही घंटों बीत गए, ये कटे तो मशीन का बेस हिलने से काम बर्बाद हो गया। दोर शाम अफसरों ने बताया कि अब दोबारा ड्रिलिंग शुक्रवार सुबह ही शुरू होगी, वहाँ ये भी चर्चाएँ रही कि सुबह तक मजदूरों को निकाल लिया जाएगा।

शुक्रवार रात को चले अभियान की रफ्तार में यह उम्मीद जवाबदा जग रही थी कि बृहस्पतिवार को सुबह तक सभी 41 मजदूर सकुशल बाहर आ जाएंगे, लेकिन रात को अमेरिकन आंगर ड्रिल मशीन को राह में लगे के सहीरे व गाटर आ गए। इससे मशीन का पुर्न भी टूट गया। जिससे मशीन रोकनी पड़ी। इसके बाद एनडीआरएफ के जवान ने करीब 40 मीटर तक प्लुचे 800 मिमी पाइप के भीतर घुसकर स्क्वाच को देखा। इसे काटने के लिए गैस कटर मगाया गया। फौरन ऑक्सीजन कम होती है, गैस कटर चलाने पर यह और कम हो जाती है। निहाय: पहली टीम इसे नहीं काट पाई। इसके बाद दूसरी टीम भीतर गई, जिसे कई घंटों की मारकत के बाद सफलता मिली। बृहस्पतिवार सुबह दोबारा ड्रिल मशीन शुरू कर दी गई। नौच पाइप भेजना शुरू किया। करीब 1.8 मीटर पाइप पहुँचा ही था कि मशीन में फिर तंत्र कंपन होने



सुरंग के भीतर राहत एवं बचाव अभियान में जुटे कर्मचारी और इनसेट में मशीन के सामने आए स्टीच। वही, सुरंग में फंसे मजदूरों से बात करते सीएम पुष्कर सिंह धामी और साथ में केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह (सेनि.)।

**एडवॉंस ट्रेन ने एआई के जरिये दिखाई मलबे में राह सिलक्यारा।** सफलता की राह में आ रही स्क्वाचों को तोड़ करने के लिए बॉर्डर रोड ऑर्निट्रेशन, ब्रैडरअरे ने बगलूक से दो एडवॉंस ट्रेन भेजाए, जिनको एआई के जरिये अंतिम चरण में सुरंग के भीतर रह दिखाई। >> 04

**एस्केप पैसेज बनाया होता तो नहीं फंसते मजदूर सिलक्यारा।** चारघन मापमानी विकास परिषदजन में सिलक्यारा सुरंग में एस्केप पैसेज का निर्माण प्रस्तावित था। लेकिन, यह नहीं बनया गया। यदि यहाँ एस्केप पैसेज का निर्माण किया होता तो सुरंग के अंदर मजदूर नहीं फंसते। >> 04

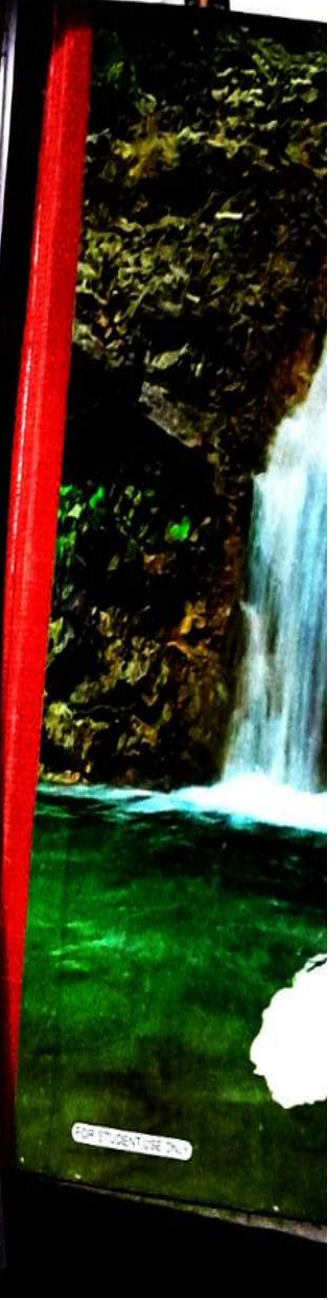
**केंद्रीय मंत्री वीके सिंह और सीएम धामी ने डाला डेरा** बृहस्पतिवार को बचाव अभियान का निरोधन करने के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह (सेनि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौके पर पहुँचे। दिग्भार दोनों नेता मजदूरों के सकुशल बाहर आने का इंतजार करते रहे।

**मातली में अस्थायी सीएम कैम्प कार्यालय बनाया गया** ऑपरेशन सिलक्यारा की मॉनिटरिंग के लिए मातली में मुख्यमंत्री का अस्थायी कैम्प कार्यालय खोल दिया गया है। मुख्यमंत्री धामी वहाँ कैम्प कर रहे हैं।

**इंजिनर ने बीता बृहस्पतिवार, हर शरुस रहा बैरगार...04 पर**

दो रात तक कटा गया। इस दौरान लिखे जाने तक इसे ठीक किया जा रहा था।

खंखाल ने बताया कि शुक्रवार सुबह वहाँ ये भी चर्चाएँ रही कि सुबह तक मजदूरों को निकाल लिया जाएगा।

















# सिल्वथारा सुदंग में साथी बनी रेस्वयू टीम जिंदगी की जंग जीते सिल्वथारा टनल में फंसे 41 मजदूर

ब्रेकिंग न्यूज समाचार एक्सप्रेस  
उत्तराखण्ड। उत्तरकाशी 12  
नवंबर को सुदंग घसने से शुरू हुए  
सघर्ष को सफलता मिल गई है।

उत्तरकाशी की सिल्वथारा सुदंग से  
मंगलवार को सभी मजदूरों को  
सुरक्षित निकाला गया व प्राथमिक  
उपचार के बाद एंबुलेंस के माध्यम  
से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र  
विन्यालीसोह में शिफ्ट किया गया।

एवम कार्य में उमाम बाबाओं के  
संबन्धित-अभियान-परिचालन  
केंद्र/नोडल अधिकारी व कमीको  
की विभिन्न टीमों हर संभव प्रयास में  
जुटी रही। इस दौरान मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी वहा मौजूद थे  
और कामिकों के बाहर निकलने  
पर खुशी जताई व कहा कि सभी  
मजदूरों को उत्तराखण्ड सरकार की

ओर से कल एक एक लाख रुपए  
की मदद दी जाएगी उन्हें एक  
महीने का सर्वतन अवकाश भी दिया  
जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

फोन पर सभी मजदूरों से बात की  
व मजदूरों के बाहर आने पर खुशी  
जाहिर की और रेस्क्यू ऑपरेशन में  
शामिल सभी लोगों का अभिवादन

किया। बचाओ अभियान से जुड़ी



विभिन्न एजेंसियों के कामिक यह ऐसा छड था जब सभी  
आपातकालीन परिचालन अधिकारियों व श्रमिकों के बीच कद  
केंद्र/नोडल अधिकारी व विभिन्न और पद के सारे मेट मिट गए और  
अधिकारियों के चेहरे दमक उठे। भारत माता की जय जयकार के

बीच सब एक दूसरे को बधाई देते उन्हें बचाने के अभियान में जुटे  
हुए आपस में मुंह मीठा करते हुए कामिकों का धैर्य ही था जिसने रह  
खुशी जाहिर करते हुए नजर आए। रहकर उनकी निराशा के भाव को  
सुरंग में कंद श्रमिकों का सबल और ना उम्मीद में नही बदलने दिया।







# आमर उजाला

• 4 पन्ने  
• 3 वितरणित संस्करण  
• 22 संस्करण

D \*\*\*\*  
वर्ष 27 | अंक 261 | पृष्ठ 16 | मूल्य: 100 रुपये

amarujala.com

जयशंकर बोले

एफटीए पर फोकस कर रहे भारत-ब्रिटेन, सहमति की



पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़... जयशंकर बोले

## गंगोत्री धाम के कपाट बंद, मां गंगा की

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के चारधाम के कपाट बंद होने लगे हैं। मंगलवार को अन्नकुट पर्व पर धार्मिक परंपरानुसार मां गंगा को विशेष पूजा की गई।

इसके बाद अभिजीत सुहृत् में पूर्वाह्न 11:45 बजे गंगोत्री धाम के कपाट बंद किए गए। इसी के साथ मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन पड़ाव मुख्यालय (मुखीमठ) के लिए रवाना हो गई। डोली यात्रा भेरी घाटी

## बदरीनाथ के कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू

जोशीमठ। बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मंगलवार से पंच पूजा शुरू हो गई। पंच पूजा के साथ पहले दिन विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शाम सात बजे यथेश योगी के कपाट बंद किए गए। बदरीनाथ धाम के कपाट 18 नवंबर को अपराह्न 3 बजेकर 33 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। संवाद

स्थित देवी मंदिर में रात्रि विराम करेगी, जहां रात्रि जागरण किया जाएगा। बुधवार को डोली यात्रा भेरी घाटी स्थित देवी मंदिर से

अपने मायके मुख्यालय गंगे स्थित गंगा मंदिर पहुंचेगी, जहां द्वासीय मायके में बंदी की तरह मां गंगा की डोली का स्वागत करेंगे। संवाद

# उत्तरकाशी : सुरंग में ड्रिलिंग का काम हुआ शुरू, बार-बार आ रहा है मलबा

विरोधज्ञ बोले, जल्द निकाल लिए जाएंगे सभी लोग, रविवार से सुरंग में फंसे हैं 40 मजदूर

संवाद न्यूज एजेंसी

उत्तरकाशी। मिलाक्यारा सुरंग में फंसे 40 मजदूरों को बचाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। सोमवार रात को हरिद्वार से टुकों से आयरन पाइप और मंगलवार सुबह ड्रिलिंग के लिए देहरादून से ऑफर मशीन पहुंच गई। दोपहर में मशीन के लिए प्लेटफार्म तैयार करने का काम शुरू हुआ, लेकिन रात करीब नौ बजे सुरंग में ड्रिलिंग शुरू होते ही मलबा गिरने लगा, जिससे कार्य रोक दिया गया।

अब मलबा गिरने के स्थान को शॉटक्रिटिंग कर सीमेंट का छिड़काव किया गया है, उसके सेंट होने पर फिर ड्रिलिंग शुरू होगी। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि बुधवार को मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा।

गत रविवार सुबह साढ़े पांच बजे यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन 4.5 किमी लंबी टनल में भारी भूस्खलन हुआ था। जिससे सुरंग निर्माण में लगे 40 मजदूर फंसे हुए हैं। उन्हें बाहर निकालने के लिए



4.5

उत्तरकाशी सिलक्यारा सुरंग के अंदर पहुंची ऑफर मशीन। - संवाद

किमी लंबी निर्माणाधीन टनल में हुआ या भूस्खलन

सीएम दफ्तर सक्रिय, दिन-रात हो रही मॉनिटरिंग

देहरादून। सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे राहत एवं बचाव अभियान को मॉनिटरिंग मुख्यालयी कार्यालय से दिन-रात हो रही है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अपर मुख्य सचिव रक्षा रतुड़ी और सचिव विनय शंकर पांडेय को इसका जिम्मा सौंपा है। >> विस्तृत पेज 04 पर

विभिन्न एजेंसियों राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सुरंग में पहले जैसीबी से मलबा हटाने का काम किया जा रहा था, लेकिन लगातार गिरते मलबे के कारण इसमें सफलता नहीं मिल पा रही थी। इसके बाद देहरादून से ऑफर मशीन

मगवाने और आयरन पाइप डालकर रास्ता तैयार करने का निर्णय लिया गया। राहत एवं बचाव कार्य में समन्वय बचाने का काम देख रहे मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि बचाव अभियान जोरों पर चल रहा है।

## ‘भौत लोग बा तोहार को बचावे के खातिर...’

एसडोआरएफ के कमांडेंट मणिकान मिश्रा ने मजदूरों से पहचान के जरिये भोजपुरी में बातचीत की। उन्होंने बिहार व झारखंड के मजदूरों से कहा कि 'भौत लोग बा तोहार को बचावे के खातिर, आराम से निकल जाइये'। कमांडेंट मिश्रा ने कहा कि ये भोजपुरी भाषा आसानी से बोल लेते हैं। सुरंग में फंसे अधिकांश मजदूर झारखंड व पूर्वी पूर्वांचल के हैं जिससे उनको बोली में बात कर उन्होंने उनका हौमला बढ़ाया है।

## जिसने जहां सुनी हादसे की खबर, तुरंत दौड़ पड़ा

उत्तरकाशी। सुरंग हादसे की खबर दीपावली की सुबह संचार माध्यमों से पता चलते ही यहां काम कर रहे लोगों के परिजन चिंतित हो उठे। तुरंत फोन लगाए गए, जब उनको पता चला कि उनके अपने सुरंग के अंदर फंसे हैं तो विचलित हो गए। किसी अनजानी की आशंका में भगवान का स्मरण करते हुए उत्तरकाशी की ओर चल दिए। >> विस्तृत पेज 04 पर





















देहरादून, शनिवार  
18 नवंबर, 2023  
गढ़वाल संस्करण  
मूल्य ₹ 7.00  
पृष्ठ 16

www.jagran.com

# दैनिक जागर

जगराबाद, दिल्ली, उत्तरांचल, पच्छिमबंगाल, हरियाणा, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल से प्रकाशित  
20 साल

आज से शुरू होगा एलएलसी का रोमांच 12

## श्रमिकों को निकालने के लिए आधी निकासी सुरंग तैयार

जगरण संबद्धता, उत्तरकाशी: यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारधाम आलवेटर रोड परियोजना की सुरंग में छह दिन से फंसे 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए शुक्रवार रात तक आधी निकासी सुरंग (30 मीटर) तैयार कर ली गई। श्रमिकों को बचाने के लिए 900 मिमी व्यास के स्टील पाइपों से करीब 60 मीटर लंबी निकासी सुरंग बननी है। इस कार्य में लगातार चुनौती पेश आ रही है, लेकिन त्वरित गति से उनका समाधान भी निकाला जा रहा है। बचाव अभियान रुकने न पाए, इसके लिए बैकअप के तौर पर मध्य प्रदेश के इंदौर से एक और और मशीन को एयरलिफ्ट कर सिलक्यारा लाया जा रहा है, जो शनिवार तक यहां पहुंच जाएगी। साथ ही बचाव कार्य में जुटी एजेंसियों ने सुरंग के अंदर पहुंचने के लिए प्लान-सी के तहत वर्टिकल और हरिजांटल मार्ग बनाने की दिशा में भी काम शुरू कर दिया है।

उत्तरकाशी के सिलक्यारा में निर्माणाधीन साढ़े चार किमी लंबी सुरंग में भूस्खलन के बाद रविवार सुबह से फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए नई दिल्ली से लाई गई अमेरिकन और ड्रिलिंग मशीन से गुरुवार सुबह निकासी सुरंग बनाने का काम शुरू हुआ था और देर रात तक 18 मीटर सुरंग तैयार कर ली गई थी। शुक्रवार तड़के ड्रिलिंग के दौरान बोल्ट्स आ जाने से कार्य प्रभावित हुआ। धीरे-धीरे बोल्ट्स को काटा गया, जिसके बाद कार्य ने फिर गति पकड़ी। शाम तक कुल 24 मीटर निकासी सुरंग तैयार कर ली गई थी, जबकि रात तक आधी सुरंग तैयार हो गई। इससे पूर्व मशीन में तकनीकी खराबी आने से

- सुरंग में ड्रिलिंग कर 30 मीटर पाइप बिछाए गए बैकअप के लिए इंदौर से एक और मशीन मंगाई
- सुरंग के अंदर पहुंचने के लिए वर्टिकल व हरिजांटल मार्ग बनाने के विकल्प पर भी काम शुरू

- बचाव कार्य में लगातार पेश आ रही चुनौती, त्वरित गति से निकाला जा रहा है उनका समाधान
- सीएम ने अधिकारियों से ली अभियान की जानकारी अपर मुख्य सचिव ने सचिवालय में की बैठक



सिलक्यारा सुरंग में श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए ड्रिलिंग कार्य प्रगति पर है • जगरण

### वर्टिकल और हरिजांटल मार्ग के विकल्प तलाशने को सर्वे

एनएचआइडीसीएल के निदेशक अशु मनीष खलको ने बताया कि प्लान-सी के अंतर्गत वर्टिकल और हरिजांटल मार्ग के विकल्प तलाशने को भूविज्ञानियों की टीम ने सर्वे शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि श्रमिक जिस स्थान पर फंसे हैं, वह हिस्सा वर्टिकल विकल्प के एक स्थान से 103 मीटर की दूरी पर है।

अभी बचाव अभियान और मशीन से ही संचालित किया जाएगा। उधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बचाव अभियान की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। अपर मुख्य सचिव राधा रतूडी ने सचिवालय में बैठक कर आपदा प्रबंधन विभाग को बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

### ट्रांली स्ट्रेचर से बाहर आएंगे श्रमिक

सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर कैसे लाया जाएगा, इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि श्रमिकों को एक-एक कर निकाला जाएगा और ट्रांली स्ट्रेचर में बाहर लाया जाएगा। इसके लिए गुरुवार देर रात और फिर शुक्रवार को एनडीआरएफ व एसडीआरएफ के जवानों ने 900 मिमी व्यास के पाइप में आवाजाही व स्ट्रेचर पर व्यक्तियों को निकालने का अभ्यास किया।

कुछ देर के लिए कार्य रोकना पड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआइडीसीएल) के निदेशक अशु मनीष खलको ने बताया कि शाम तक छह-छह मीटर लंबे चार

पाइप बिछाने के बाद पांचवां पाइप जोड़ दिया गया था। इसके बाद मशीन में तकनीकी खराबी आ गई। उन्होंने बताया कि मशीन के बेयरिंग बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। तकनीकी टीम मशीन में आ रही

खामियों को लगातार दूर कर इसे सुचारू कर रही है। पाइप बिछाने का कार्य लगातार चलता रहे, इसके लिए इंदौर से दूसरी मशीन लाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार पृष्ठ 4



## **Report on Silkyara Tunnel Rescue Operation.**

### **(A) Challenges encountered and innovations/measures undertaken to overcome the same: -**

1. Tunnels often have confined spaces and limited access points, making it challenging for rescue teams to reach affected areas.
2. Project specific Standard Operating Procedures (SOP) for such type of incidents/accidents should be formulated and training be given to workers.
3. During the initial phase of rescue operation, no senior official or technically competent person was present at site, so it took time to decide search and rescue methodology. This also made timely media briefing difficult.
4. Due to initial removal of debris, further collapse occurred which adversely affected the rescue operation.
5. Poor telecom connectivity at site hindered the smooth communication and coordination. It was resolved within a week by augmentation of network strength with the intervention of district administration and DOT.
6. Due to non availability of specialized equipment near incident location, initial few days were spent in determining the requirement, mobilization of resources. Transportation of some heavy machines and equipment was a major challenge, considering the narrow road stretches, chronic slide zones etc.
7. Rescuers initially faced uncertainty about the conditions inside the collapsed tunnel, including potential hazards such as hazardous materials, electrical issues, or unstable structures. Cold weather condition at the incident site especially during the night posed a challenge.
8. This incident has not been notified as a disaster/calamity. Thus, provisions of Disaster Management Act could not be utilized.
9. During the rescue operation, dignitaries and senior officers visited at incident site which was managed with limited resources.

**(B) Lessons learned, areas for improvement identified, suggestions & recommendations for effectively handling similar situations in the future: -**

1. Constitution of Technical Advisory Committee (TAC) consisting of GSI, experts of geotechnical and underground works. Ensure the visit of TAC at regular intervals and recommendations of the committee must be followed up.
2. Keep the Inventory detail updated during the planning of work (especially details and availability of Machines) which can be used in an emergency.
3. Develop a temporary helipad facility near the work site, which can be used during emergencies.
4. Ensure the medical facility at the time of commencement of work near the work site.
5. Identify the nearest Railhead and transportation facility of heavy machinery to the work site. If there is any bottleneck at several locations on the Highway then maintain a record and request to take remedial measures from the respective department.
6. Form an Interdepartmental coordination committee at the State level and regular monitoring by district level committee as per recommendations by the state level committee.
7. Form guidelines for safety measures in underground works and regular checks/review of safety standards at the district/State level technical committee.
8. Prepare SOP for handling the rescue operation incases of emergency/disaster situations in all major project/construction sites.
9. Ensure the workers engaged in such projects must be highly skilled and experienced. Also keep the detailed information (inventory) of such skilled workers.
10. Specialized Rescue training in case of Tunnel collapse to the personnel of Army/NDRF/ITBP/SDRF/Police.
11. A strong telecommunication system by multi telecom service provider must be provided at the work site.
12. Ensure sufficient stock of technical material such as Hume pipe, transformers, steel pipes, HDPE pipes etc. and emergency funds for immediate response in case of disaster/emergency situation.
13. Ensure proper compliance with labor laws/welfare at the work site.



जनपद स्तर पर समय-समय पर विभिन्न बैठकों/स्वच्छता/पर्यावरण सम्बन्धी कार्यक्रमों तथा निर्वाचन तैयारी आदि विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग किया गया।



(देवेन्द्र सिंह पटवाल)  
आपदा प्रबन्धन अधिकारी,  
उत्तरकाशी।

प्रतिलिपि:- निम्नाकिंतों की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

1. सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2. अपर सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
3. अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन), उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, सचिवालय परिसर, दूहरादून।
4. अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन), उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, सचिवालय परिसर, दूहरादून।
5. संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, सचिवालय परिसर, दूहरादून।
6. अधिशासी निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, देहरादून।
7. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
8. अपर जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।



आपदा प्रबन्धन अधिकारी,  
उत्तरकाशी।